सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रोजाना इन पीली गोलियों का सेवन आपके शरीर को देता है ये फायद पेज: 7

हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर बोली अंजना सुखानी पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 107 | मंगलवार 21 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

विराट संग लंबा सफर: रोहित शर्मा ने 400वें मैच पर याद की अटूट दोस्ती

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने साथी खिलाड़ी विराट कोहली के साथ अपना 400वां इंटरनेशनल मैच खेलने के अनुभव को याद किया और इसे एक खास पल बताया, क्योंकि दोनों ने अपने करियर में एक साथ लंबा सफर तय किया है। शर्मा ने मैदान पर उनके बीच की मजबूत समझ पर जोर दिया, जो सालों की बैटिंग पार्टनरशिप से बनी है। उन्होंने कहा कि क्रीज पर लगातार बातचीत और विचारों का आदान-प्रदान उनकी सफलता के लिए बहुत जरूरी रहा है। यह उपलब्धि रविवार को लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे इंटरनेशनल (वनडे) मैच के दौरान हासिल की गई। रोहित ने कहा कि हमने अपना पूरा करियर साथ में खेला है विराट कोहली का ज़िक्र करते हुए, इसलिए मैदान पर उनके साथ होना अच्छा लगा।

नीट और राम मंदिर विवाद: हंगामे की भेंट चढ़ा मानसून सत्र का पहला दिन, आगे भी होगी सियासी जंग

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के सदस्यों के विरोध के कारण लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों की कार्यवाही में बाधा आने के बाद, 20 जुलाई को संसद का मॉनसून सत्र स्थगित कर दिया गया। विपक्ष ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक और अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में डोनेशन के गबन के आरोपों पर चर्चा की मांग की। राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई और यह 21 जुलाई को सुबह 11:00 बजे फिर से शुरू होगी। लोकसभा की कार्यवाही भी अगले दिन सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। यह सत्र 13 अगस्त तक चलेगा और उम्मीद है कि इसमें राजनीतिक रूप से गरमा-गरम बहसें होंगी, खासकर आने वाले राज्य चुनावों के मद्देनजर। लोकसभा की

कार्यवाही के दौरान, विपक्ष के नारों के बीच केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026' पेश किया। इस विधेयक का मकसद 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956' में और संशोधन करना है। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रस्ताव है, जो पहले जारी किए गए एक अध्यादेश की जगह लेगा। लोकसभा में सोमवार को विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल सके। राज्यसभा में सरकार 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश करने की योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971' में संशोधन करना है। प्रस्तावित संशोधन के तहत राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' में किसी भी तरह की बाधा डालने या उसका अपमान करने को अपराध माना जाएगा। विपक्ष ने संकेत दिया है कि वह सत्र के दौरान नीट-यूजी 2026 पेपर लीक, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित हेराफेरी और अन्य मुद्दों पर बहस कराने की कोशिश करेगा। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन के नौ नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। जिन सदस्यों ने उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली वे गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, राजस्थान और पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हैं। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन शपथ लेने वाले सदस्यों में गुजरात से भाजपा के मुकेशभाई जे. राठवा, कर्नाटक से कांग्रेस के पवन खेड़ा, मध्यप्रदेश से भाजपा के महेश केवट, मेघालय से एनपीपी के जेम्स पांगसांग कोंगकल संगमा, मिजोरम से खियांग्टे लालत्लुआंगकीमा, राजस्थान से भाजपा के सतीश पूनिया, पश्चिम बंगाल से भाजपा के प्रकाश चिक बड़ाइक, सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण.....

विपक्ष के नीट पेपर लीक और राम मंदिर विवाद को लेकर हंगामे के बीच संसद के मॉनसून सत्र की शुरूआत हंगामेदार रही, जिसके चलते कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इस विरोध के बावजूद, सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण विधेयक पेश किया गया, जबकि राज्यसभा में वंदे मातरम के अपमान को अपराध बनाने वाला विधेयक लाने की योजना है

नीट प्रोटेस्ट: छात्रों पर लाठीचार्ज पर भड़के अखिलेश यादव, कहा- यह सरकार नहीं, अहंकार है

नई दिल्ली एजेंसी: समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को नीट-यूजी पेपर लीक विवाद और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने प्रशासन पर जन-कल्याण के बजाय अहंकार से प्रेरित होकर काम करने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने छात्रों को हिरासत में लेने और उनके साथ कथित दुर्व्यवहार की निंदा की। उन्होंने कहा कि वे प्रदर्शनकारियों को पुलिस स्टेशनों में रख रहे हैं और बाहर छात्रों की पिटाई कर रहे हैं। यह कैसी सरकार है जो 'सबका साथ, सबका विकास' की बात तो करती है, लेकिन बच्चों की बात सुनना नहीं चाहती? क्या यह सरकार है या आपका अहंकार? अगर यह सरकार होती, तो बच्चों

की बात सुनती। यादव ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ईमानदारी और राष्ट्रीय परीक्षाओं के आयोजन पर सवाल उठाते हुए पूछा कि अगर नीट परीक्षा हुई और उसमें नकल हुई, तो इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? विश्वसनीयता का क्या? इसकी तैयारी किसे करनी थी? उन्होंने सरकार के 'विश्वगुरु' और 'अमृत काल' जैसे नारों की भी आलोचना की और युवाओं में असंतोष को रोजगार के मौकों की कमी से जोड़ा कि वे 'विश्वगुरु' बनना चाहते हैं और कहते हैं कि यह 'अमृत काल' (सुनहरा दौर) है, लेकिन वे अपने मंत्रियों को भी नहीं हटा पाते। आपने न तो नौकरियां दी हैं और न ही रोजगार। अगर नौकरियां दी गई होतीं, तो क्या बच्चे सड़कों पर उतरते? विरोध करने के अधिकार पर जोर देते हुए यादव ने मौजूदा स्थिति की तुलना ब्रिटिश काल से की और कहा कि अभी सबसे जरूरी सवाल यह है कि नीट के छात्रों को न्याय मिलना चाहिए और यहाँ आए हुए प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ अच्छा व्यवहार होना चाहिए। जब लोग विरोध प्रदर्शन पर बैठे, तो अंग्रेजों ने भी उनकी बात सुनी। यही कारण है कि गांधी जी को आज पूरी दुनिया में पूजा जाता है झ उन्होंने ही विरोध का मार्ग दिखाया। यह बयान पुलिस द्वारा संसद भवन की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए किए गए हल्के लाठीचार्ज के बाद आया। जंतर-मंतर से शुरू हुए इस प्रदर्शन के कारण राजधानी में यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ, क्योंकि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था।

जेपी नड्डा ने सीजेपी से मुलाकात के बाद प्रदर्शनकारियों से की अपील, धरने खत्म करें

नई दिल्ली एजेंसी: कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की और धर्मेंद्र प्रधान को हटाने समेत अपनी मांगें उनके सामने रखीं। इस मुलाकात के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने ट्वीट किया कि आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत का प्रस्ताव आया और सुबह 11:50 बजे से हमारी बातचीत चल रही है। बैठक अच्छे माहौल में हुई। उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ शुरूआती बातचीत विस्तार से हुई और शाम करीब 4 बजे उन्होंने मुझे एक लिखित ज्ञापन सौंपा। मैंने सभी प्रदर्शनकारियों से अपना धरना खत्म करने और हालात सामान्य करने में प्रशासन की मदद करने का आग्रह

किया है। सौरभ दास ने एक्स पर लिखा कि आशुतोष रंका और मैं दोपहर 12 बजे से जेपी नड्डा के घर पर हैं। हमने अपनी मांगें बता दी हैं, जिनमें धर्मेंद्र प्रधान का तुरंत इस्तीफा या उन्हें पद से हटाना शामिल है। मंत्री जी ने भरोसा दिलाया है कि वे इस मामले पर सही स्तर पर बातचीत करेंगे। हालाँकि, अभी तक कोई पक्का वादा नहीं किया गया है। जब तक मांग पूरी नहीं हो जाती, तब तक शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी चैन से नहीं बैठेंगे! उन्होंने कहा कि मंत्री ने हमें यह भी भरोसा दिलाया है कि जंतर-मंतर और उसके आस-पास अब कोई और कार्रवाई नहीं होगी। हालाँकि, अभी तक पुलिस के रुकने की कोई खबर नहीं है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ बैठक के दौरान सीजेपी की तीन मांगें थीं: धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर जाने की इजाजत देना, और आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा देना। वहीं, दिल्ली पुलिस ने सोमवार को सोशल मीडिया पर आईं उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया गया है। इन दावों को पुलिस ने पूरी तरह से गलत बताया। पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ये भ्रामक रिपोर्ट वर्तमान में विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित हो रही हैं, जिसमें दावा किया गया है कि अभिजीत दीपके को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। औपचारिक रूप से स्पष्ट किया जाता है कि ये आरोप पूरी तरह से झूठे हैं और वह मंच पर मौजूद हैं।

नीट घोटाला: जंतर मंतर पर प्रदर्शन, संसद में गूंजा छात्रों का मुद्दा, राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली एजेंसी: संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से कथित नीट पेपर लीक और छात्रों के जारी विरोध-प्रदर्शन पर चर्चा की मांग के बाद राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद, खड़गे ने इस मामले पर बोलने की अनुमति मांगी। उन्होंने लाखों छात्रों के भविष्य के लिए इसके महत्व पर जोर दिया और दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध-प्रदर्शन का ज़िक्र किया। खड़गे ने सदन में कहा कि आपने मुझे इस पेपर लीक और नीट परीक्षा घोटाले के बारे में अपनी बात रखने का मौका दिया है। यह मामला छात्रों से जुड़ा है; मैं लाखों बच्चों के भविष्य की बात कर रहा हूँ। इस मुद्दे को लेकर हजारों छात्र जंतर-मंतर पर जमा हुए हैं। वहाँ लाठीचार्ज हुआ है। सरकार बल प्रयोग करके, आवाज दबाकर और उन्हें वहाँ से

हटाकर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। उनकी बात के बाद, राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सदन की कार्यवाही दोपहर तक के लिए स्थगित कर दी। यह स्थगन तब हुआ जब विपक्ष नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर चर्चा की मांग कर रहा था। इस बीच, मॉनसून सत्र के लिए इकट्ठा होने के कुछ ही देर बाद लोकसभा की कार्यवाही सोमवार दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के सदस्यों ने नीट विवाद और राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी के मामले पर बहस की मांग करते हुए लगातार नारेबाजी की, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। विपक्ष के कई नेताओं ने नीट से जुड़े आरोपों पर चर्चा के लिए सरकार से मंजूरी की मांग की है। इसी से जुड़ी एक और बात में, दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर उन खबरों का खंडन किया है जिनमें जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग का आरोप लगाया गया था। एक्स पर जारी एक बयान में दिल्ली पुलिस ने कहा कि मीडिया के कुछ हिस्सों में जंतर-मंतर पर दिल्ली पुलिस द्वारा हिंसा या लोगों को हिरासत में लेने की छिटपुट घटनाओं का ज़िक्र किया गया है। हम बताना चाहते हैं

अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता उच्च न्यायालय से लगा बड़ा झटका, विदेश जाने पर रोक, एसएसकेएम अस्पताल में जांच का आदेश

कलकत्ता: कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी को आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया, लेकिन साथ ही उन्हें चुनावी भाषण मामले में पुलिस की सख़्त कार्रवाई से 30 सितंबर तक अंतरिम सुरक्षा दे दी। जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की बेंच ने सरकारी एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में जांच कराने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि विदेश यात्रा की अर्जी पर तभी विचार किया जा सकता है, जब एसएसकेएम हॉस्पिटल का मेडिकल बोर्ड यह पाए कि कोलकाता में इलाज संभव नहीं है। इस मामले की सुनवाई अगले महीने फिर होगी। बनर्जी के वकीलों ने कोर्ट को बताया कि वह पिछले 10 सालों से अपने इलाज के लिए अमेरिका जा रहे हैं और उन्हें यात्रा करने की इजाजत मिलनी चाहिए। एडिशनल एडवोकेट जनरल राजदीप मजूमदार ने कहा कि बनर्जी के भारत से बाहर रहने पर चल रही जांच पर असर पड़ेगा, जिसमें वह मामला भी शामिल है जिसमें उन पर 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले प्रचार भाषणों में भड़काऊ बातें कहने का आरोप है। 15 मई को बनर्जी पर उनके प्रचार भाषणों को लेकर भारतीय न्याय संहिता और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन पर लगे आरोपों में से दो आरोप गैर-जमानती हैं। 16 जून को, क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट ने बनर्जी से लगभग साढ़े छह घंटे तक पूछताछ की। 10 जुलाई को जस्टिस भट्टाचार्य ने चुनाव भाषण मामले में दो नोटिस मिलने के बावजूद अपना वॉयस सैंपल न देने के लिए बनर्जी को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने पुलिस की सख़्त कार्रवाई से 31 जुलाई तक की राहत सिर्फ.इस शर्त पर दी थी कि बनर्जी जांच करने वालों का सहयोग करेंगे।

तमिलनाडु में सियासी भूचाल ! मुख्यमंत्री विजय पर टिप्पणी मामले में डीएमके को दोहरा झटका, विधायक मार्कांडेयन गिरफ्तार

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु की राजनीति में सोमवार को उस समय भारी गरमाहट आ गई, जब द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के विधायक मार्कांडेयन को पुलिस ने उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई राज्य के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में की गई है। इस हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी के बाद थूथुकुडी जिले के विलाथिकुलम इलाके में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। जनसभा में की थी अमर्यादित टिप्पणी,की शिकायत पर एक्शन पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, विलाथिकुलम निर्वाचन क्षेत्र से विधायक मार्कांडेयन पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके के दिवंगत दिग्गज नेता एम. करुणानिधि की जयंती के अवसर पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री विजय को लेकर कथित रूप से आपत्तिजनक बयानबाजी

की। मुख्यमंत्री की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कड़गम' के कार्यकर्ताओं ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए विधायक को हिरासत में ले लिया। कार्यक्रम के दौरान, मार्कांडेयन ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री विजय का जिक्र करते हुए अपमानजनक टिप्पणी की, जिसके बाद टीवीके सदस्यों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, जबकि मामले की आगे की जांच जारी है। अनिता राधाकृष्णन की गिरफ्तारी यह गिरफ्तारी डीएमके विधायक अनिता राधाकृष्णन को मुख्यमंत्री के खिलाफ कथित टिप्पणी के आरोप में थूथुकुडी में गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। राधाकृष्णन को तब गिरफ्तार किया गया जब मद्रास हाई कोर्ट ने विजय के खिलाफ उनके अपमानजनक भाषण से संबंधित उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। उन्हें थूथुकुडी से लगभग 23 किलोमीटर दूर ऑथूर की यात्रा के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार किया और वहां मौजूद पुलिस जीप में ले गई। तिरुचेंदूर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राधाकृष्णन

'मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा', स्काईरूट की स्पेस कामयाबी के बाद पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर कसा तंज

नई दिल्ली एजेंसी: संसद के मानसून सत्र की शुरूआत से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद के स्पेस स्टार्टअप 'स्काईरूट एयरोस्पेस' के सफल रॉकेट लॉन्च की सराहना करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से तीखा तंज कसा। कंपनी की युवा टीम की पीठ थपथपाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष में तिरंगा फहराने वाले इन इनोवेटर्स की औसत उम्र महज 28 साल है, "न कि किसी 56 साल के युवा की।" पीएम मोदी के इस बयान को राजनीतिक गलियारों में सीधे तौर पर राहुल गांधी की ओर किया गया इशारा माना जा रहा है। मीडिया से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने विज्ञान, इनोवेशन और स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की छलांग और युवाओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया। स्काईरूट एयरोस्पेस का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, "भारत के युवाओं ने अंतरिक्ष में एक नए स्वर्णिम सफर का आगाज किया है। मुझे यह जानकर बेहद खुशी हुई कि इस 'स्काईरूट' स्टार्टअप में काम करने वाली पूरी टीम की औसत उम्र सिर्फ 28 साल है। यह कारनामा देश के असली युवाओं ने कर दिखाया है... मैं किसी

56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा हूं। पीएम ने स्काईरूट की युवा टीम की तारीफ की, '56 साल के युवा' वाली टिप्पणी की स्काईरूट एयरोस्पेस की हालिया कामयाबी का ज़िक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह सफलता भारत की युवा पीढ़ी की ऊर्जा और उम्मीदों को दिखाती है। उन्होंने कहा, "भारत के युवाओं ने स्पेस में एक नए सफर की शुरूआत की है। मुझे बताया गया कि 'स्काईरूट' स्टार्टअप में काम करने

संसद के मानसून सत्र की शुरूआत से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद के स्पेस स्टार्टअप 'स्काईरूट एयरोस्पेस' के सफल रॉकेट लॉन्च की सराहना करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से तीखा तंज कसा।

वाली पूरी टीम की औसत उम्र सिर्फ. 28 साल है। ऐसे ही युवाओं ने यह कारनामा कर दिखाया है। मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा हूँ।" इस टिप्पणी को व्यापक रूप से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर परोक्ष इशारा माना जा रहा है। 'हर भारतीय को देश की हालिया कामयाबियों पर गर्व होना चाहिए' प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने पिछले कुछ समय में कई अहम कामयाबियाँ हासिल की हैं, जिनसे वैश्विक स्तर पर भारत का कद बढ़ा है। उनके मुताबिक, भारत की सफलताएँ सिर्फ. घरेलू विकास तक ही सीमित नहीं रही हैं, बल्कि इन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच और स्पेस एक्सप्लोरेशन के क्षेत्र में भी देश की स्थिति को मजबूत किया है। "पिछले साल मॉनसून सत्र से ठीक पहले, एक भारतीय नागरिक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुँचा। और हाल ही में, एक युवा भारतीय स्टार्टअप ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। दुनिया के बहुत कम देशों में ऐसे प्राइवेट उद्यम देखने को मिले हैं; भारत के युवा अंतरिक्ष में एक नए सफर पर निकल पड़े हैं। यह एक जबरदस्त कामयाबी है... भारत की ग्लोबल पहचान को दुनिया भर में मान्यता और स्वीकार्यता मिल रही है। यह कोई इत्तेफाक नहीं है; यह एक संदेश है, एक मजबूत संदेश कि हमारे देश के युवाओं की क्षमता और उम्मीदें अंतरिक्ष की तरह ही असीम हैं

संपादकीय

विश्वसनीय हो स्क्रैपिंग

हरियाणा में पुराने वाहनों को चलन से बाहर करने के लिये सरकार ने जिन प्रोत्साहन स्कीमों की घोषणआ की है, वह समय की जरूरत है। हरियाणा सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से गाड़ियों को स्क्रैप करने के लिये पांच प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करने का फैसला किया है। जो पुरानी गाड़ियों को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं। दरअसल, पुरानी हो चुकी गाड़ियों को सिर्फ कबाड़ नहीं माना जाना चाहिए, यदि उनका कायदे से निस्तारण हो तो आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरण की रक्षा भी की जा सकती है। कुछ लोग अपने वाहन की देखभाल इतने कायदे से करते हैं कि उसे कबाड़ कहना, उनकी भावना को ठेस पहुंचाने जैसा है। दरअसल, अब राज्य सरकार की नई पॉलिसी इन वाहनों को कबाड़ मानने के बजाय, उन्हें रीसाइकिल होने वाले मेटीरियल, ग्रीन जॉब्स प्रदाता और साफ हवा के स्रोत के रूप में दशार्ती है। निस्संदेह,यह कदम अर्थव्यवस्था में योगदान की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, भारत में 3.4 करोड़ से अधिक पुराने वाहन हैं। जिनमें दो करोड़ दो पहिया और 1.2 करोड़ चार-पहिया वाहन शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या में वाहन अभी सड़कों में चलाए जा रहे हैं। दरअसल, पुरानी गाड़ियां नये मॉडल की तुलना में काफी अधिक मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड छोड़ती हैं। जिससे एक ओर वायु प्रदूषण बढ़ता है, वहीं लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। दरअसल, वैज्ञानिक स्क्रैपिंग से कीमती स्टील, एल्युमीनियम, तांबा और प्लास्टिक को दोबारा से हासिल किया जा सकता है। जिससे नये कच्चे माल पर निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही उत्पादन में ऊर्जा की खपत भी घटती है। दरअसल, हरियाणा सरकार की प्रोत्साहन योजनाएं - कैपिटल सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी की वापसी,एसजीएसटी रिफंड, ब्याज में मदद और स्किल डेवलपमेंट- अधिकृत स्क्रैपिंग और रीसाइक्लिंग सुविधाओं में निवेश को आकर्षित करने के लिये बनायी गई है। लेकिन इस पॉलिसी की सफलता सिर्फ इंडस्ट्री की भागीदारी पर ही निर्भर नहीं करेगी। गाड़ी मालिकों को भी स्वेच्छा से इसमें शामिल करने के लिये प्रोत्साहित करना होगा। तमाम परिवारों के लिये, पुरानी गाड़ी सिर्फ घटती कीमत वाली संपत्ति नहीं है, बल्कि रोजी-रोटी का जरिया भी होती है। जब तक उन्हें उचित मुआवजा,आसान प्रक्रियाएं और अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर्स तक सुविधाजनक पहुंच नहीं मिलेगी, तब तक कई लोग अनौपचारिक सेक्टर पर ही निर्भर रहेंगे। ऐसे में गैर-कानूनी तौर पर गाड़ियों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। वहीं लोगों को जागरूक बनाने और स्वेच्छा से स्क्रैपिंग के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सिर्फ नियम बनाने से हवा को साफ नहीं किया जा सकता।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साध उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

साइबर ठगी से बचाव की समझ ही सबसे बड़ी सुरक्षा

कांतिलाल मांडोत

मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के जाल से युवाओं को बचाने का समय

देश में तेजी से बढ़ रही साइबर ठगी और फर्जी निवेश योजनाएं आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। बेरोजगारी और जल्दी अमीर बनने की चाह का फायदा उठाकर ठग नए नए तरीके अपनाते हैं। हाल ही में वाराणसी में साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया जिसने मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से करोड़ों रुपये की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत उन्नीस आरोपियों को गिरफ्तार किया और रोहनिया स्थित एक भवन से लगभग तीन सौ प्रशिक्षु युवक युवतियों को मुक्त कराया। जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड के बैंक खातों में केवल सात महीनों के भीतर चार करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। यह मामला बताता है कि साइबर ठगी अब केवल मोबाइल या इंटरनेट तक सीमित नहीं रही बल्कि संगठित नेटवर्क के रूप में युवाओं को अपना शिकार बना रही है।

ऐसी ठगी का सबसे बड़ा हथियार लोगों के सपने होते हैं। ठग पहले बेरोजगार युवाओं को नौकरी या व्यापार का आकर्षक प्रस्ताव देते हैं। उन्हें बताया जाता है कि बिना किसी अनुभव के लाखों रुपये कमाए जा सकते हैं। शुरूआत में छोटी राशि जमा कराई जाती है और फिर नए लोगों को जोड़ने का दबाव बनाया जाता है। इस पूरी व्यवस्था को मल्टी लेवल मार्केटिंग या पिरामिड स्कीम का नाम दिया जाता है जबकि वास्तव में इसका उद्देश्य केवल लोगों से पैसा इकट्ठा करना होता है। जब नए सदस्य मिलना बंद हो जाते हैं तब पूरी योजना ढह जाती है और सबसे अधिक नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ता है।

साइबर ठग हमेशा भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। वे महंगे होटल में सेमिनार आयोजित करते हैं। बड़े कार्यालय दिखाते हैं। महंगी गाड़ियां और शानदार जीवनशैली का प्रदर्शन करते हैं ताकि लोगों को विश्वास हो जाए कि यह कारोबार पूरी तरह सफल और सुरक्षित है। कई बार सोशल मीडिया पर नकली सफलता की कहानियां भी दिखाई जाती हैं। युवाओं को यह विश्वास दिलाया जाता है कि यदि वे जल्दी निर्णय नहीं लेंगे तो जीवन का सबसे बड़ा अवसर खो देंगे। इसी जल्दबाजी में लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं। ऐसी ठगी से बचने के लिए सबसे पहले किसी भी योजना की सच्चाई को परखना जरूरी है। यदि कोई संस्था कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का वादा कर रही है तो सतर्क हो जाना चाहिए। कोई भी वैध व्यापार बिना जोखिम के निश्चित और असाधारण लाभ की गारंटी नहीं देता। यदि किसी योजना में कमाई का मुख्य आधार नए सदस्य जोड़ना है और उत्पाद या सेवा केवल दिखावे के लिए है तो वह पिरामिड स्कीम हो सकती है।

किसी भी संस्था में पैसा लगाने से पहले उसका पंजीकरण और कानूनी स्थिति अवश्य जांचनी चाहिए। कंपनी का पूरा पता उसका लाइसेंस और सरकारी पंजीकरण देखना चाहिए। यदि संस्था इन जानकारियों को छिपाती है या स्पष्ट उत्तर नहीं देती तो उससे दूरी बनाना ही समझदारी है। केवल सोशल मीडिया वीडियो या किसी परिचित की बात पर भरोसा करके निवेश नहीं करना चाहिए।

बेरोजगार युवाओं को विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि ठग सबसे अधिक उन्हें ही निशाना बनाते हैं। नौकरी दिलाने के नाम पर पहले प्रशिक्षण शुल्क फिर सदस्यता शुल्क और बाद में निवेश के नाम पर लगातार पैसे मांगे जाते हैं। किसी भी नौकरी के लिए अत्यधिक पंजीकरण शुल्क या निवेश की मांग की जाए तो उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। वास्तविक कंपनियां प्रतिभा के आधार पर भर्ती करती हैं न कि भारी रकम जमा कराने के बाद।

डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी एटीएम कार्ड का विवरण ओटीपी पासवर्ड या पहचान संबंधी दस्तावेज साझा नहीं करने चाहिए। ठग कई बार फोन कॉल संदेश या फर्जी वेबसाइट के माध्यम से लोगों की निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर बैंक खातों से पैसे निकाल लेते हैं। इसलिए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचना चाहिए और केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करना चाहिए। यदि किसी योजना को लेकर मन में जरा भी संदेह हो तो परिवार के सदस्यों या किसी विश्वसनीय विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अक्सर भारी नुकसान का कारण बनता है। किसी भी निवेश से पहले उसके नियम शर्तें और जोखिम को अच्छी तरह समझना आवश्यक है। यदि सामने वाला व्यक्ति बार बार दबाव बनाकर तुरंत पैसा जमा कराने की बात कर रहा है तो यह खतरे का संकेत हो सकता है।

सरकार और पुलिस भी लगातार लोगों को जागरूक कर रही हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन और साइबर पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी हो जाए तो तुरंत बैंक को सूचना देनी चाहिए और बिना देर किए साइबर पुलिस से संपर्क करना चाहिए। शुरूआती समय में शिकायत दर्ज होने पर कई मामलों में धनराशि वापस मिलने की संभावना भी रहती है।

शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा की जानकारी दें। स्कूल कॉलेज और विश्वविद्यालयों में समय समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए ताकि विद्यार्थी वास्तविक और फर्जी योजनाओं के बीच अंतर समझ सकें। परिवारों को भी अपने बच्चों के साथ आर्थिक निर्णयों पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए ताकि वे किसी लालच या दबाव में गलत कदम न उठाएं। वाराणसी का मामला केवल एक गिरोह की गिरफ्तारी भर नहीं है बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह दिखाता है कि अपराधी आधुनिक तकनीक और मनोवैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके लोगों को आसानी से अपने जाल में फंसा सकते हैं। इसलिए केवल कानून के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक को स्वयं भी जागरूक और सतर्क रहना होगा।

ट्रंप की नीतियों ने विश्व में गिराई अमेरिका की साख

तनवीर जाफ़री

दरअसल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ही अमेरिका को विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में वैश्विक मान्यता मिल चुकी थी। तब तक अमेरिका परमाणु बम सम्पन्न देश होने के अलावा संयुक्त राष्ट्र के गठन में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने लगा था। साथ ही अमेरिकी डॉलर ने भी अपनी वैश्विक भूमिका अदा करनी शुरू कर दी थी। हालांकि 1945 के बाद ही सोवियत संघ को भी विश्व की दूसरी महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा था परन्तु 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद तो अमेरिका अकेली वैश्विक महाशक्ति रह गया। उसी समय से ह्लविश्व की सबसे बड़ी महाशक्तिह्व के रूप में अमेरिका की स्वीकार्यता लगभग निर्विवाद हो गई थी। उसके बाद अमेरिका स्वयं को वैश्विक महाशक्ति के साथ साथ वैश्विक थानेदार के रूप में भी स्वयं को देखने लगा। और लगभग विश्व के सभी देशों के आंतरिक मामलों पर नजर रखने लगा। धीरे धीरे प्रत्येक दो पड़ोसी देशों के आपसी मतभेदों,तनाव अथवा सीमा विवाद का लाभ उठाकर अमेरिका ने दुनिया भर के तमाम देशों में अपने सैन्य अड्डे बनाने व अमेरिकी सैनिकों की तैनाती करनी शुरू कर दी। एक अनुमान के अनुसार इस समय विश्व भर में अमेरिका के लगभग 750 से अधिक सैन्य अड्डे मौजूद हैं। ये अड्डे लगभग 80 अलग अलग देशों में फैले हुए हैं। इनमें स्थायी बेस, एयरबेस, नौसैनिक अड्डे, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे ह्ललिली पैडह्व फारवर्ड ऑपरेटिंग लोकेशन आदि शामिल हैं। पेंटागन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2026 के आसपास करीब 1,08,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक लगभग 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से मौजूद हैं। अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सैन्य अड्डों से कहीं अधिक देशों में फैली हुई है। जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया की गिनती उन देशों में हैं जहाँ अमेरिकी सैन्य अड्डों और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सबसे अधिक है।

दूसरी तरफ 1970झ्र80 के दशक में चीन की ह्लभविष्य की महाशक्तिह्व के रूप में कल्पना की जाने लगी। और 1990झ्र2000 के दशकआते आते उसे एक ह्लउदयमान महाशक्तिह्व के रूप में देखा जाने लगा। और 2010 के बाद से तो चीन को व्यावहारिक रूप से अमेरिका के बराबर या उसके बाद आने वाली वास्तविक वैश्विक महाशक्ति के रूप में गिना जाने लगा। गोया चार दशकों पहले तक जो चीन, दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता था वही देश 1978 के बाद के सुधारों से तेजी से बढ़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और आज वैश्विक उत्पादन व सप्लाई चेन में उसकी केंद्रीय भूमिका है। बड़े पैमाने पर निर्माण, निर्यात-आधारित विकास, विदेशी निवेश के लिए खुले विशेष आर्थिक क्षेत्र, और कम लागत वाली श्रमशक्ति ने चीन को विश्व अर्थव्यवस्था की धुरी बना दिया। इसी अवधि में चीन ने अपनी सेना को आधुनिक बनाया, नौसेना, मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारी निवेश किया, जिससे उसे केवल विश्व की आर्थिक नहीं बल्कि सामरिक महाशक्ति के रूप में भी देखा जाने लगा। 5ॠ एआई, अंतरिक्ष प्रक्षेपण और हाई-टेक विनिर्माण में उसकी तेज प्रगति ने ह्लमेड इन चाइना 2025ह्व जैसी रणनीतियों के तहत तकनीकी महाशक्ति की छवि को भी विश्व स्तर पर मजबूत किया। बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से एशिया, अफ़्रीका और यूरोप में आधारभूत संरचना पर निवेश व ऋण देकर चीन ने अपनी भू-राजनीतिक पकड़ और कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाया, जो महाशक्ति का एक प्रमुख गुण माना जाता है। साथ ही ताइवान, दक्षिण चीन सागर और सीमा विवादों पर उसकी मुखर नीति ने भी यह संदेश दिया कि वह क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति के स्तर पर खेलना चाहता है। परन्तु अमेरिका व चीन की वैश्विक नीतियों में यह बड़ा अंतर भी रहा कि चीन ने अमेरिका की तरह दूसरे देशों से थानेदार जैसा बर्ताव करने के बजाये क्षेत्रीय मामलों में गैर जरूरी दखलअंदाजी से परहेज किया। दूसरे देशों की प्राकृतिक सम्पदाओं पर गिद्ध दृष्टि नहीं रखी। दो देशों को,आपस में लड़ाकर अपने हथियार बेचना,किसी देश पर कब्जा कर लेना, धमकाना या किसी राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर लेना जैसी छिछोरी नीति नहीं अपनाई।

चीन और शी जिननपिंग तथा अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की इन्हीं नीतियों का परिणाम पिछले दिनों अमेरिकी रिसर्च संस्था ढी६ शोध केंद्र के ताजातरीन वैश्विक सर्वे में परिलक्षित होकर सामने आया है। इस सर्वे में यह पाया गया कि अमेरिका के मुकाबले चीन की और ट्रंप के मुकाबले शी जिनपिंग की विश्व में लोकप्रियता व उनके प्रति विश्व में भरोसा बढ़ा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था द्वारा यह सर्वे पिछले दिनों 36 देशों में किया गया। सर्वे के निष्कर्षों के अनुसार 36 में से लगभग 25 देशों में लोगों ने चीन के प्रति अमेरिका की तुलना में अधिक सकारात्मक राय व्यक्त की। इसी सर्वे में विश्व मामलों को संभालने की क्षमता व विश्वसनीयता के मामले में शी जिनपिंग को डोनाल्ड ट्रंप से अधिक विश्वास मिला। इस सर्वे में पहली बार यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से नजर आई कि कई देशों में चीन की छवि अमेरिका से अधिक सकारात्मक हो गई है, जबकि पिछले दो दशकों में आमतौर पर अमेरिका की छवि चीन से बेहतर रहती थी। 27 देशों में लोगों ने चीन को अमेरिका से अधिक अनुकूल रूप में देखा। यानी चीन को बेहतर सहभागी, निवेशक और स्थिर शक्ति माना। कई देशों में लोगों ने अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने की क्षमता के मामले में भी शी जिनपिंग पर डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक भरोसा जताया। आश्चर्य तो यह है कि जिन 36 में से लगभग 22 देशों में लोगों ने शी जिनपिंग को ट्रंप से बेहतर या अधिक पसंदीदा नेता माना इनमें कनाडा, मैक्सिको, फ़्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण पश्चिमी देश भी शामिल हैं। ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा कई देशों में बहुत कम रहा। एक पुराने वैश्विक सर्वे में भी 70% उत्तरदाताओं ने ट्रंप पर अंतरराष्ट्रीय मामलों में भरोसा नहीं जताया था जो कि उनके प्रति लंबे समय से चली आ रही शंकाओं को दिखाता है। कई विकासशील देशों को यह भी लगता है कि चीन उन्हें सड़कों, बंदरगाहों, उद्योग और डिजिटल आधारभूत संरचना में तत्काल मदद दे रहा है, जबकि अमेरिका की मदद प्रायः राजनीतिक शर्तों पर आधारित तथा सुरक्षा गठबंधनों से बंधी हुई होती है। चीन ने एशिया, अफ़्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में आधारभूत संरचना में निवेश, लोन, बेल्ट ऐंड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए ह्लविकास साझेदारह्व की छवि बनाई है, जिससे वहाँ के आम लोगों में चीन को अवसर देने वाली शक्ति के रूप में देखा गया। इसी सर्वेक्षण और इसके विश्लेषणों में खुलकर कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान कई फैसलों ने अमेरिकी छवि को काफी नुकसान पहुँचाया है। जैसे सहयोगी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंध, विदेशी सहायता में कटौती, कठोर व्यापार विवाद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरी,ट्रंप की बोल भाषा, मुस्लिम देशों, आप्रवासियों और सहयोगियों के प्रति उनके विवादित बयान, नाटो, यूरोपीय यूनियन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर बार बार हमले जैसे कारकों ने उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी व उनके साथ ही अमेरिका के प्रति भी दुनिया का भरोसा कम किया है। रही सही कसर ईरान-इस्राईल,मध्य पूर्व,वेनेजुएला व यूक्रेन आदि के प्रति ट्रंप की नीतियों ने पूरी कर दी। कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप की नीतियां ही विश्व में अमेरिका की साख गिरने की जिम्मेदार हैं।

विक्रम-1 की सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है।18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियाँ भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाजार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है।

यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु

अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाजे खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं। इससे अनुसंधान, रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती निजी भागीदारी भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बना रही है।

वर्ष 2014 के आसपास जहाँ भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी निजी कंपनियाँ उँगलियों पर गिनी जा सकती थीं, वहीं आज उनकी संख्या सैकड़ों तक पहुँच चुकी है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि सोच का भी है। आज भारतीय युवा अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सरकारी नौकरी के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के विशाल अवसर के रूप में देख रहे हैं। यही कारण है कि भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है। आने वाले वर्षों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष संचार, पृथ्वी अवलोकन सेवाओं तथा अंतरिक्ष-आधारित डिजिटल तकनीकों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने की संभावना है।

हालाँकि भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल निजी क्षेत्र की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रफ्ड) ने पिछले छह दशकों में जो विश्वास अर्जित किया है, वही आज इस सफलता की सबसे मजबूत नींव है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने विश्व को बार-बार यह दिखाया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर तकनीक के बल पर असंभव लगने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

वर्ष 2013 में प्रक्षेपित मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) ने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। यह उपलब्धि वैज्ञानिक दृष्टि से जितनी महत्वपूर्ण थी, उतनी ही आर्थिक दृष्टि से भी, क्योंकि अत्यंत कम लागत में इस मिशन की सफलता ने भारत की दक्षता का विश्वभर में लोहा मनवाया। इसी प्रकार ढरछश्-उ37 द्वारा एक ही मिशन में 104 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण विश्व रिकॉर्ड बना। इस उपलब्धि ने भारतीय प्रक्षेपण प्रणाली की विश्वसनीयता और क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। इसके बाद चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत ऐसा करने वाला विश्व का पहला देश बना। इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा को विश्व के सामने स्थापित किया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारत जटिलतम अंतरिक्ष अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम है।

इसी क्रम में आदित्य-एल1 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। सूर्य के अध्ययन के लिए समर्पित यह भारत का पहला मिशन है, जो सौर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम और पृथ्वी पर उनके प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करा रहा है। भविष्य में गगनयान, शुक्रयान तथा अन्य महत्त्वाकांक्षी मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता को और अधिक विस्तार देंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान की ये उपलब्धियाँ केवल वैज्ञानिक गौरव तक सीमित नहीं हैं। आज भारत के उपग्रह करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की सटीक जानकारी किसानों को खेती में सहायता देती है। चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक होती है। दूरदराज क्षेत्रों तक संचार और इंटरनेट सेवाएँ पहुँचाने, शिक्षा और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

आर्थिक दृष्टि से भी अंतरिक्ष उद्योग भविष्य का सबसे तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर के इस बाजार में भारत की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। निजी कंपनियों, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और इसरो के बीच बढ़ता सहयोग भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इससे निवेश, रोजगार, तकनीकी नवाचार और निर्यात के नए अवसर पैदा होंगे तथा भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को वास्तविक स्वरूप प्रदान कर रहा है। स्वदेशी तकनीक, युवा वैज्ञानिकों की प्रतिभा, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और इसरो का दशकों का अनुभव–ये सभी मिलकर भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के एक नए स्वर्णिम युग की ओर ले जा रहे हैं। विक्रम-1 की सफलता इस परिवर्तन की सशक्त घोषणा है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष अभियानों में भाग लेने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग की दिशा निर्धारित करने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है।

निस्संदेह, अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की निरंतर सफलताएँ यह संदेश देती हैं कि विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता के पंखों पर सवार यह राष्ट्र आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में विश्व मंच पर और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाएगा। विक्रम-1 की सफलता केवल एक प्रक्षेपण की विजय नहीं, बल्कि नए भारत की वैज्ञानिक चेतना, तकनीकी आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व की उड़ान का प्रतीक है। यही उड़ान आने वाले समय में भारत को अंतरिक्ष के अनंत आकाश में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी। (लेखक स्वतंत्र व्यंग्यकार-सह-टिप्पणीकार हैं)

अमरोहा
मंगलवार 21 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का फूल-मालाओं से किया स्वागत

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी के बीआरसी कार्यालय चंदनपुर में सोमवार को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के ब्लॉक अध्यक्ष पवन अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान समस्त शिक्षकों ने नवागत खंड शिक्षा अधिकारी को फूल-मालाएं पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। शिक्षकों ने नवागत अधिकारी से विकासखंड में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और शिक्षकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण की अपेक्षा जताई। ब्लॉक अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हमेशा शिक्षा और शिक्षकों के हित में कार्य करता रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नए खंड शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में विकासखंड गंगेश्वरी में शैक्षिक माहौल और बेहतर होगा तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। इस अवसर पर एआरपी महिपाल सिंह, एआरपी असलम अल्वी, सुरेश चौहान, कुलदीप त्यागी, अंकुश त्यागी, अमित कुमार, हीरालाल, संदीप कुमार, होशियार सिंह सहित विकासखंड के अनेक शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने नवागत अधिकारी को सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में नवागत खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी शिक्षकों के साथ मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे।

सोशल मीडिया पर स्टंटबाजी का वीडियो वायरल, अमरोहा पुलिस ने कार सीज कर लगाया भारी जुमार्ना

अमरोहा (सब का सपना):- सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में थाना डिडौली क्षेत्र के सार्वजनिक मार्ग पर कार सवार युवकों द्वारा खतरनाक स्टंटबाजी किए जाने का मामला सामने आया था। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए अमरोहा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कार सवार 5 युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में राकेश पुत्र रामबाबू निवासी आशफाबाद थाना रसूलपुर जनपद फिरोजाबाद, छोटू उर्फ रजक पुत्र दयाराम निवासी बछौन थाना चंदला जिला छतरपुर म0प्र0, रविंद्र पुत्र राजू निवासी खरगापुर थाना खरगापुर जिला टीकमगढ़ म0प्र0, दिलीप पुत्र लक्ष्मण निवासी अच्छनार थाना खुजराहो जिला छतरपुर म0प्र0 और अमर पुत्र दयाराम निवासी बछौन थाना चंदला जिला छतरपुर म0प्र0 शामिल हैं। पुलिस ने वाहन को सीज कर दिया और यातायात नियमों के उल्लंघन पर भारी जुमार्ना भी लगाया। सभी युवकों को सार्वजनिक मार्गों पर स्टंटबाजी न करने और यातायात नियमों के पालन के संबंध में चेतावनी दी गई।सार्वजनिक मार्गों पर स्टंटबाजी करना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि स्वयं और अन्य राहगीरों के जीवन को भी खतरे में डालता है। ऐसे कृत्यों में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

थाना बछरायूं पुलिस द्वारा झूठी छिनैती की सूचना देने वाले व्यक्ति का किया खुलासा, जांच में निकली सूचना असत्य

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को यूपी-112 कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि कॉलर हुकम सिंह पुत्र छिद्दा द्वारा घेरकुण्डा रोड पर दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसकी मोटरसाइकिल छीन लेने की सूचना दी गई। सूचना प्राप्त होते ही थाना बछरायूं पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची तथा घटना की गहन जांच की गई। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस द्वारा उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए कथित मोटरसाइकिल संख्या HR-51BE-3732 (HF Deluxe) की तलाश की गई। तलाश के दौरान मोटरसाइकिल ग्राम तोमड़ा निवासी जोगिन्द्र पुत्र कैलाश सिंह के कब्जे में बरामद हुई। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि हुकम सिंह ने पूर्व में खरीदे गए आलू के बकाया भुगतान के एवज में स्वयं अपनी मोटरसाइकिल जोगिन्द्र के पास छोड़ दी थी। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि हुकम सिंह पर लगभग 25,000 की बकाया धनराशि थी, जिसके भुगतान को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। पुलिस जांच में मोटरसाइकिल छिनने की सूचना पूर्णतः असत्य एवं भ्रामक पाई गई। वास्तविकता में किसी प्रकार की छिनैती अथवा लूट की घटना घटित नहीं हुई थी।प्रकरण में झूठी सूचना देने के संबंध में नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मध्य गंगा नहर में पहुंचा पानी, किसानों को मिली राहत

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम जीहल की मढ़ैया में मध्य गंगा नहर का पानी पहुंच गया है। नहर में पानी आने से क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर है। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि किसानों द्वारा काफी समय से नहर में पानी छोड़े जाने की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी हो गई है। उन्होंने बताया कि भूजल स्तर में गिरावट के चलते सिंचाई पंपों से पर्याप्त पानी नहीं निकल पा रहा था, जिससे किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब नहर में पानी चलने से गिरते भूजल स्तर पर रोक लगेगी और उसमें वृद्धि भी होगी। शर्मा ने अफसोस जताया कि यदि नहर विभाग द्वारा पहले ही पानी छोड़ दिया जाता तो किसानों को सिंचाई का अधिक लाभ मिलता। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि नहर के पानी के साथ बहकर आने वाले जहरीले सांपों से बच्चों को दूर रखें और गहरे पानी से भी दूरी बनाएं। इस अवसर पर दुष्यंत देवल, सुखदेव शर्मा, सोनू सैनी, महिपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

धनौरा-नौगावां क्षेत्र में ट्रैक्टर पलटा,एक किसान की नीचे दबकर मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

गौवंश को बचाने के प्रयास में हुआ हादसा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा एवं नौगावां थाना क्षेत्र में रविवार की शाम एक गौवंश को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर पलट गया इस दौरान ट्रैक्टर पर सवार एक किसान की उसके नीचे दबकर मौत हो गई तथा एक अन्य ट्रैक्टर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक किसान के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई। बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के ग्राम पतथरकुटी निवासी मुनिपाल (56 वर्ष) पुत्र सुमेर सिंह रविवार को अपनी मक्का की फसल बेचकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से नौगावा सादात से घर लौट रहे थे। शाम करीब छह बजे नौगावा सादात थाना क्षेत्र के जटपुरा और कालाडाबरा गांवों के बीच अचानक एक गौवंश (आवारा पशु) ट्रैक्टर के सामने आ गया।गौवंश को बचाने के प्रयास में मुनिपाल ने ट्रैक्टर पर से नियंत्रण खो दिया। इससे ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में पलट गया।ट्रैक्टर पलटने से चालक मुनिपाल गंभीर रूप से घायल होकर ट्रैक्टर के भारी टायर के नीचे दब गए। टायर के नीचे कुचलने से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। ट्रैक्टर पर सवार उनके साथी राहुल पुत्र नंदू भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें राहगीरों की सहायता से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक मुनिपाल के परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है। उनकी एक बेटी का विवाह हो चुका है। इस आकस्मिक घटना से परिवार में दुख का माहौल है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। नौगावा सादात थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि घटनास्थल मंडी धनौरा तहसील और थाना नौगावा सादात के सीमा क्षेत्र में आता है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

रजबपुर क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते युवक से मारपीट, पुलिस जांच में जुटी

क्षेत्र स्थित शराब की दुकान पर हुई घटना, तमंचे की बट से हमला करने और हवाई फायरिंग करने का आरोप

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र स्थित एक शराब की दुकान पर पुरानी रंजिश के चलते एक युवक के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है, युवक का आरोप है कि हमलावरों ने उस पर तमंचे की बट और लाठी डंडों से हमला किया और हवाई फायरिंग भी की, इस मामले में पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि ये पूरा मामला 17 जुलाई 2026 की रात करीब 9 बजे की है। गांव बस्तौरी माफी निवासी अमित कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका भाई अंकित जलालपुर कला स्थित शराब की दुकान पर गया था।तहरीर के अनुसार, वहां पहले से मौजूद कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के कारण अंकित को गालियां दीं और लाठी-डंडों व लोहे की रॉड से हमला किया। आरोप है कि हमलावरों ने तमंचे की बट से भी अंकित के सिर पर वार किए और हवाई फायरिंग की।स्थानीय लोगों के विरोध करने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित अंकित ने बताया कि वह इस समय जिला अस्पताल में उपचार करा रहे हैं।अंकित ने यह भी जानकारी दी कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति के हैं और उन पर पहले भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। करीब छह महीने पहले इसी रंजिश को लेकर पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच समझौता भी हुआ था, लेकिन 17 जुलाई को आरोपियों ने फिर हमला कर दिया।मामले की तहरीर पुलिस को सौंप दी गई है और निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। रजबपुर थाना प्रभारी विकास कुमार सहरावत ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। रिपोर्ट दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मंडी धनौरा में भाकियू बीआरएस की पंचायत का आयोजन, किसानों से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग

मंडी धनौरा में भाकियू बीआरएस की पंचायत का आयोजन,किसानों से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को जनपद के मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में भारतीय किसान यूनियन बी आर एस की एक पंचायत का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार अधाना की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान पंचायत में मौजूद किसानों ने किसानों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और उनसे जुड़ी सभी समस्याओं को उठाया। इस दौरान संगठन ने प्रशासन से अपनी सभी समस्याओं के तुरंत समाधान की मांग की है। बता दें कि सोमवार को आयोजित किसानों की इस पंचायत के दौरान किसान सम्मान निधि, पेयजल संकट, सुरक्षा व्यवस्था, स्मार्ट मीटर का विरोध, आवारा पशुओं से निजात और यातायात संबंधी समस्याओं पर प्रमुखता से चर्चा की गई। इन सभी मुद्दों पर प्रस्ताव भी पारित किए गए। यूनियन ने मांग की कि पात्र किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ सुनिश्चित किया जाए। तहसील क्षेत्र में खराब पड़े हैंडपंपों को तत्काल ठीक कराया जाए ताकि ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत के मुख्य चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की गई। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों पर रोक लगाने और फसलों को नुकसान पहुंचा रहे आवारा गोवंशों को पकड़कर नई गौशालाओं में भेजने की व्यवस्था करने की बात कही गई। यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए डग्गामार वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी की गई। इससे सड़क दुर्घटनाओं और ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिल सकेगी। संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जनहित की इन समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो भारतीय किसान यूनियन (बी.आर.एस.) आगे की रणनीति तय कर आंदोलन करेगी।इस अवसर पर जिला प्रवक्ता सर्वेश कुमार शर्मा, युवा प्रदेश अध्यक्ष अनिकेत सिंह, राष्ट्रीय मंत्री सुमित अधाना, बिजनौर जिला अध्यक्ष विशंभर सिंह, डॉ. जन्म सिंह, मनोज कुमार, शिवम कुमार, जयपाल सिंह, आसिफ, नूर मोहम्मद, कृष्ण कुमार, रियासत, प्रिंस, कविंदर, आरिफ, दिलदार, मंजीत, डॉ. हरकेश, शाहरुख, सम आधान, गोल्डी शर्मा और बंटी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सीडीओ की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर, सीएम युवा, फैमिली आईडी और जीरो पावर्टी अभियान की बैठक हुई सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ के निदेर्शानुसार मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजना, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम, फैमिली आईडी, सीएम युवा योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। सीडीओ ने फैमिली आईडी में खराब प्रगति पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में फैमिली आईडी बनाने के लिए लग रहे शिविरों में अधिक से अधिक आईडी बनाते हुए प्रगति लाने के साथ लक्ष्य पूर्ण करें। विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जिन विभागों द्वारा लक्ष्य पूर्ण नहीं किया जाएगा, उसके अधिकारियों और कर्मचारियों का वेतन बाधित किया जाएगा। पीएम सूर्य घर योजना में सभी विभागों की प्रगति जानते हुए निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराएं और शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करें। आमजन के बीच विभिन्न माध्यमों से योजना का प्रचार करते हुए लोगों को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। बैंको में लंबित प्रकरणों के निस्तारण कराने के निर्देश एलडीएम को दिए। सभी विभाग समय से लक्ष्य पूर्ण करें अन्यथा माह अंत तक लक्ष्य पूर्ण न करने वालों का वेतन बाधित किया जाएगा। सीडीओ ने सीएम युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा करते हुए सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश देते हुए कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए। उन्होने निर्देश दिए कि बैंक अधिक से अधिक ऋण को स्वीकृत कराएं। सभी बैंकों एवं उद्योग केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि इस महत्वकांक्षी योजना में फोकस करते हुए कार्य में तेजी लाएं। उन्होने कहा कि सभी बैंकों में प्राप्त आवेदन पत्रों के सापेक्ष यथाशीघ्र ऋण वितरण की कार्रवाई की जाए। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, विद्युत संयोजन, श्रमिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए।बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने अवगत कराया कि प्रत्येक वर्ष 03 दिसम्बर, 2026 को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। निदेशालय, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा जारी निदेर्शों के क्रम में निर्धारित श्रेणियों के अनुसार आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।
उन्होंने बताया कि निर्धारित श्रेणियों की पात्रता रखने वाले इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं पुरस्कार हेतु निर्धारित आवेदन पत्र के साथ पूर्ण विवरण एवं आवश्यक अभिलेख संलग्न करते हुए अपने प्रस्ताव तीन प्रतियों में कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, अमरोहा में एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे पुरस्कार हेतु अग्रिम कार्रवाई की जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि राज्य स्तरीय पुरस्कार के अंतर्गत दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/स्वरोजगार प्राप्त दिव्यांगजन, दिव्यांगजनों हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोजक एवं सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी/एजेंसी, दिव्यांगजनों के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति एवं संस्था, प्रेरणास्रोत, दिव्यांगजनों के जीवन सुधार हेतु सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान अथवा उत्पाद विकास, दिव्यांगजनों हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन में सर्वश्रेष्ठ कार्य, पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाला सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क एवं बालक/बालिका, सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस, दिव्यांगजनों के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ी तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी सहित विभिन्न श्रेणियां निर्धारित की गई हैं।
उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन, कक्ष संख्या-18, जोया रोड, अमरोहा में संपर्क किया जा सकता है।

प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत घर-घर जाकर किया गया जनसंपर्क, नवीन नामांकन पर जोर

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- शिक्षा की मुख्यधारा से हर बच्चे को जोड़ने के संकल्प के साथ, विकास क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में सोमवार को एक विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य 'स्कूल चलो अभियान' को गति देना और 6 से 14 वर्ष की आयु के उन सभी बच्चों का विद्यालय में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना है, जो अभी तक शिक्षा से वंचित हैं। अभियान के दौरान, विद्यालय के शिक्षकों की टीम ने गांव में घर-घर जाकर अभिभावकों से सीधा संवाद किया। शिक्षकों ने न केवल अभिभावकों को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया, बल्कि उन्हें अपने बच्चों का भविष्य संवारने के लिए प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश दिलाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक और उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ (गंगेश्वरी) के ब्लॉक अध्यक्ष, रामवीर सिंह ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी सुविधाओं का लाभ मिलता है। हमारा लक्ष्य है कि 6 वर्ष या उससे अधिक आयु का कोई भी पात्र बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। जुलाई माह में 'स्कूल चलो अभियान' पूरे जोर-शोर से चल रहा है, और यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम प्रत्येक बच्चे को विद्यालय तक लाएं। इस सराहनीय प्रयास में ग्राम प्रधान राजकुमार, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इन्द्र सिंह,सहायक अध्यापक अजय सागर, अमित कुमार, मनीष कुमार, रेनू कंसल, राशिद अली, संतराम सिंह आदि मौजूद रहे।

केनरा बैंक आरसेटी बहजोई के प्रशिक्षुओं ने किया पौधारोपण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बहजोई में संचालित बैच-70 जूनियर ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षुओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए संस्थान परिसर में पौधारोपण किया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। साथ ही सभी प्रशिक्षुओं ने अपने-अपने घरों पर भी एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एक-एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृ सम्मान का संदेश भी दिया गया। संस्थान के अधिकारियों ने कहा कि पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा का दायित्व निभाना चाहिए। प्रशिक्षकों ने बताया कि संस्थान में प्रशिक्षण के साथ-साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति भी प्रशिक्षुओं को जागरूक किया जाता है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षुओं ने हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान के संकेय- मानसी शर्मा, संतोष कुमार , कार्यालय सहायक- सुजीत, विशेष , प्रशिक्षक- मीरा, संस्थान के कर्मचारी तथा बैच-70 जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिस्नर(ब्यूटी पार्लर) के सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

यातायात जागरूकता अभियान चलाकर छात्रों को सड़क सुरक्षा का दिया संदेश

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात स्तुति सिंह के मार्गदर्शन में सोमवार को महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) डिग्री कॉलेज में यातायात जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना रहा। कार्यक्रम में प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह, मुख्य आरक्षी सचिन कुमार, मुख्य आरक्षी विकास तथा आरक्षी हिरेंद्र ने विद्यार्थियों को सुरक्षित वाहन संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, तीन सवारी न बैठाने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने, तेज गति से बचने, नींद आने पर वाहन न चलाने तथा ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की सलाह दी। मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने आदेशात्मक, चेतावनी एवं सूचनात्मक सड़क संकेतों की जानकारी देते हुए सड़क किनारे लगे किलोमीटर के पत्थरों के अलग-अलग रंगों से एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग तथा ग्रामीण व शहरी सड़कों की पहचान करने का तरीका भी समझाया। इस दौरान विद्यार्थियों को गुड सेमेरिटन योजना की जानकारी देकर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की निस्वार्थ सहायता करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही बरसात के मौसम में वाहन चलाते समय बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पुलिस कर्मियों ने सरल एवं शालीन तरीके से दिए। वक्ताओं ने कहा कि जीवन अनमोल है, सड़क सुरक्षा ही जीवन रक्षा है। प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह ने बताया कि लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार चलाए जाते रहेंगे।

आर्टिका और बाइक की भिड़ंत में अज्ञात युवक की मौत, शिनाख्त में जुटी पुलिस

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र में आगरा मुरादाबाद हाइवे पर स्थित कठेरिया पेट्रोल पंप के पास रविवार देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में लगभग 30 वर्षीय अज्ञात युवक की मौत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एम्बुलेंस चालक ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद लोगों से मिली जानकारी के आधार पर युवक मोटरसाइकिल से जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही एक आर्टिका कार से उसकी आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल एम्बुलेंस को सूचना देकर घायल को अस्पताल भिजवाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन देर रात तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। उसके पास से ऐसा कोई पहचान पत्र नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। पुलिस मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

श्मशान घाट तक सड़क निर्माण और सफाई की मांग को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

खाद, बिजली, सर्किल रेट समेत किसानों की पांच प्रमुख समस्याओं के समाधान की उठाई मांग

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) जनपद के पदाधिकारियों ने सोमवार को उपजिलाधिकारी सम्भल को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र के किसानों एवं ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। संगठन की ओर से पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र यदुवंशी के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में ग्राम किसौली के श्मशान घाट तक सड़क निर्माण, साफ-सफाई, खाद वितरण, बिजली व्यवस्था और कृषि भूमि के सर्किल रेट बढ़ाने सहित कई जनहित से जुड़े मुद्दे उठाए गए।

ज्ञापन में कहा गया कि ग्राम किसौली स्थित श्मशान घाट तक जाने वाला लगभग 150 मीटर मार्ग पूरी तरह कच्चा एवं जर्जर है। अंतिम संस्कार के समय ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बरसात के मौसम में मार्ग की स्थिति और अधिक खराब हो जाती है, जिससे शव ले जाने में भी कठिनाई होती है। साथ ही श्मशान घाट परिसर में लंबे समय से साफ-सफाई न होने के कारण वहां गंदगी फैली हुई है।

भाकियू (अराजनीतिक) ने मांग की कि ग्राम किसौली के श्मशान घाट तक लगभग 150 मीटर लंबी सीसी सड़क का निर्माण कराया जाए तथा श्मशान घाट की तत्काल साफ-सफाई कराकर नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा संगठन ने ग्राम किसौली, केमा और खिरनी के श्मशान घाटों की भी तत्काल सफाई कराने एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई। ज्ञापन में किसानों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा गया कि उन्हें समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। खाद वितरण व्यवस्था में सुधार करते हुए किसानों को बिना परेशानी समय से उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। साथ ही यदि खाद वितरण के लिए बायोमेट्रिक (फिंगर) सत्यापन अनिवार्य किया गया है, तो शराब बिक्री में भी समान पहचान प्रणाली लागू करने के लिए शासन को संस्तुति भेजी जाए। भाकियू नेताओं ने क्षेत्र में लगातार बनी हुई बिजली समस्या पर भी चिंता व्यक्त करते हुए किसानों और आम जनता को नियमित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। इसके साथ ही कृषि भूमि के सर्किल रेट को वर्तमान बाजार मूल्य के अनुरूप बढ़ाने की भी मांग की गई, ताकि भूमि अधिग्रहण या क्रय-विक्रय के समय किसानों को उनकी जमीन का उचित मूल्य मिल सके। पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र यदुवंशी ने कहा कि संगठन किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाता रहेगा। उन्होंने प्रशासन से सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया, ताकि किसानों एवं ग्रामीणों को राहत मिल सके। इस अवसर पर जितेंद्र यादव, शंकर सिंह आर्य, अशोक यादव, विजय पाल यादव, मुलायम सिंह यादव, इदशीस, सुनील कुमार सहित कई भाकियू कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गजरौला पुलिस ने लूट की घटना का किया खुलासा,एक शातिर चोर को किया गिरफ्तार

चोर की कब्जे से 30,400 की नगदी, तमंचा,कारतूस व एक मोटरसाइकिल बरामद

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला पुलिस ने क्षेत्र में हुई लूट की घटना के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए सफल अनावरण किया है जिसमें गजरौला पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से पुलिस ने ड्ड30,400 नगदी एक अवैध तमंचा व कारतूस तथा घटना में प्रयोग की गई एक मोटरसाइकिल बरामद की है। बता दें कि इस मामले पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक 20 जुलाई 2026 को परवेश कुमार पुत्र पूरन सिंह निवासी मौहल्ला संत नगर ,कस्बा एवं थाना गजरौला ,जनपद अमरोहा द्वारा थाने पर एक लिखित तहरीर दी गई कि मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने तमंचे के बल पर उनकी कनपटी पर तमंचा लगाकर मारपीट करते हुए 49000 रुपए लूट लिए हैं। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना गजरौला पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। जिसमें पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही शुरू कर दी गई। विवेचना एवं साक्ष्य संकलन के दौरान सोमवार को मुखबिर की सूचना पर थाना गजरौला पुलिस ने गांव का कांकाठेर रोड क्षेत्र से घटना में शामिल अभियुक्त साहिल पुत्र एहसान अली निवासी ग्राम बिजौरा, थाना गजरौला, जनपद अमरोहा को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से ड्ड30,400 की नगदी, एक अवैध तमंचा 12 बोर, एक जिंदा कारतूस 12 बोर एवं घटना में प्रयुक्त की गई एक मोटरसाइकिल बरामद की।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त से की गई पूछताछ में बताया गया कि घटना में साहिल के साथ उसका साथी विष्णु पुत्र देवेंद्र निवासी ग्राम रखेड़ा,थाना हसनपुर, जनपद अमरोहा भी शामिल था जो पुलिस कार्रवाई के दौरान फरार हो गया,उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा प्रयास जारी हैं। फिलहाल पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को आवश्यक विधि कार्यवाही के उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में आम आदमी पार्टी का पैदल मार्च

सम्भल(सब का सपना):- आम आदमी पार्टी (आप) उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता आतिर हुसैन के नेतृत्व में सोमवार को शिक्षाविद सोनम वांगचुक के समर्थन में सम्भल में पैदल मार्च निकाला गया। मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भाग लेकर शिक्षा व्यवस्था, युवाओं के भविष्य और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद की। मार्च के दौरान प्रदेश प्रवक्ता आतिर हुसैन ने कहा कि देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य लगातार पेपर लीक की घटनाओं, बढ़ती बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था की उपेक्षा के कारण संकट में है। उन्होंने आरोप लगाया कि सोनम वांगचुक ने छात्रों के अधिकारों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर 21 दिनों तक शांतिपूर्ण अनशन किया, लेकिन केंद्र सरकार ने उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने संवाद स्थापित करने के बजाय उन्हें अस्पताल पहुंचा दिया। आतिर हुसैन ने रामपुर स्थित मौलाना अली जौहर विश्वविद्यालय का भी उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी शिक्षा संस्थान को मजबूत करना सरकार की जिम्मेदारी है, न कि उसे कमजोर करना। उनका कहना था कि यदि किसी विश्वविद्यालय में प्रशासनिक, तकनीकी या नक्शे से संबंधित कोई कमी है तो सरकार को नियमानुसार आवश्यक अनुमतियां देकर उसका समाधान करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि मौलाना अली जौहर विश्वविद्यालय का संबंध आजम खान से न होता, तो उसके विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाती।

उन्होंने इसे राजनीतिक दृष्टिकोण से प्रेरित कार्रवाई बताया।

मार्च के अंत में आम आदमी पार्टी की ओर से केंद्र सरकार से शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई। साथ ही पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग भी उठाई।

महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन को लेकर पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में सोमवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने बहू-बेटी सम्मेलन में भाग लेकर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान महिला संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए चौपाल का आयोजन किया गया, जहां उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं से संवाद कर उन्हें निर्भीक होकर अपनी समस्याएं रखने के लिए प्रेरित किया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन की विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी। इसके साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत एंटी रोमियो टीम ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाकर महिलाओं और छात्राओं को जागरूक किया। इस दौरान वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए पंपलेट वितरित किए गए। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं और बालिकाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में बिना झिझक हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें और तत्काल पुलिस को सूचना दें।

प्रदेश स्तरीय जूडो महाकुंभ में संभल का दमदार प्रदर्शन, 21 पदकों पर किया कब्जा

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल द्वारा 15 से 20 जुलाई तक लखनऊ में आयोजित प्रदेश स्तरीय जूडो महाकुंभ में सम्भल जनपद के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण, 8 रजत और 6 कांस्य सहित कुल 21 पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया, जिसमें प्रदेश के सभी 75 जनपदों से करीब एक हजार खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु एवं भार वर्गों में प्रतिभाग किया। इस उपलब्धि में बहजोई स्थित एसबीएम जूडो अकादमी के खिलाड़ियों का सर्वाधिक योगदान रहा। प्रतियोगिता की सबसे बड़ी उपलब्धि सब-जूनियर बालिका वर्ग की आराध्या सिंह रहीं, जिन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बेस्ट जूडोका गर्ल (सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी) के खिताब से सम्मानित किया गया। मिनी वर्ग में कृष्णा, नव्या राठौर और पावनी शर्मा ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि अनुराग ने रजत और प्रखर गोयल ने कांस्य पदक हासिल किया। सब-जूनियर वर्ग में आराध्या सिंह, नेहांशी गोयल और नव्या गर्ग ने स्वर्ण पदक जीतकर संभल का गौरव बढ़ाया। वहीं अक्षराज यादव और देवांश गुप्ता ने रजत तथा हर्षित कश्यप ने कांस्य पदक अपने नाम किया। जूनियर वर्ग में डॉली ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि चंचल, लवी और मिथलेश ने रजत तथा अनुषी ने कांस्य पदक हासिल किया। सीनियर महिला वर्ग में चंचल सागर ने स्वर्ण, जबकि डॉली और लवी ने रजत पदक जीते। कैडेट और सीनियर पुरुष वर्ग में सूरज ने कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। एसबीएम जूडो अकादमी के मुख्य कोच एकांश गुप्ता ने खिलाड़ियों की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उपलब्धि कई महीनों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यही खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सम्भल और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। खिलाड़ियों की इस सफलता से जिले, अभिभावकों और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है।

ग्राम प्रधानों ने समस्याओं के समाधान को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- अखिल भारतीय प्रधान संगठन के बैनर तले जिले के ग्राम प्रधानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों, राशन वितरण, मनरेगा, आवास योजना, पेंशन, सफाई व्यवस्था सहित कुल 23 मांगों का उल्लेख किया गया। ग्राम प्रधानों ने इन समस्याओं का शीघ्र समाधान कराए जाने की मांग की। अखिल भारतीय प्रधान संगठन (रजि.) के नेतृत्व में बिजनौर के ग्राम प्रधानों ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में कई ऐसी समस्याएं हैं जिनका समय पर समाधान नहीं हो पा रहा है। ज्ञापन में गरीब परिवारों को समय से राशन उपलब्ध कराने, मनरेगा में रोजगार बढ़ाने, कोटेदारों की मनमानी पर रोक लगाने, आवास योजना का लाभ पात्रों तक बिना भ्रष्टाचार पहुंचाने और वृद्धावस्था, विधवा व दिव्यांग पेंशन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की गई। इसके अलावा ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था मजबूत करने, कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था, पंचायतों के विकास कार्यों के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने, झूठी शिकायतों के नाम पर ग्राम प्रधानों के उत्पीड़न पर रोक लगाने, पंचायत विकास कार्यों के भुगतान में आ रही समस्याओं का समाधान करने तथा सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटाने जैसी मांगें भी प्रमुख रूप से उठाई गईं। ग्राम प्रधानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आगे संगठन स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल जिला प्रशासन की ओर से ज्ञापन प्राप्त कर मांगों पर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। अब देखना होगा कि ग्राम प्रधानों की इन 23 मांगों पर प्रशासन क्या कदम उठाता है।

युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनीं तरन्नुम मिर्जा

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के मंडावर कस्बे के मोहल्ला बाजार कलां निवासी सेवानिवृत्त दारोगा मिर्जा लड्डन बेग के परिवार में उस समय खुशी की लहर दौड़ गई, जब उनकी पुत्रवधू एवं अधिवक्ता तरन्नुम मिर्जा, पत्नी एडवोकेट विक्की मिर्जा, ने एक साथ दो महत्वपूर्ण परीक्षाओं में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया।तरन्नुम मिर्जा ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (अक्टूबर-21) को प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर अधिवक्ता के रूप में मान्यता प्राप्त

की। इस परीक्षा का परिणाम 18 जुलाई 2026 को घोषित किया गया। इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा आयोजित सीटीईटी (सी- टेट) मार्च-2026 परीक्षा भी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की। परिजनों ने बताया कि यह सफलता उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का परिणाम है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, रिश्तेदारों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। तरन्नुम मिर्जा की यह दोहरी सफलता क्षेत्र की युवतियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक मानी जा रही है। स्थानीय लोगों ने कहा कि कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है, जिसका उत्कृष्ट उदाहरण तरन्नुम मिर्जा ने प्रस्तुत किया है।

कोट के मेले में उमड़ी आस्था की भीड़, बेहतर यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की उठी मांग

आषाढ़ के पांचवें रविवार को लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना, प्रशासन से पहले से तैयारी की अपील

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना देहात क्षेत्र के कोटकादर स्थित प्रसिद्ध श्री कल्याणमल देवता के मंदिर में लगने वाले ऐतिहासिक कोट के मेले में हर वर्ष की तरह इस बार भी आषाढ़ मास के रविवारों पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आस्था के इस केंद्र पर विशेष रूप से तीसरे और पांचवें रविवार को एक से दो लाख तक श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं, जिससे कल्याणमल देवता मंदिर जाने वाले मार्ग पर लंबा जाम लग जाता है।

श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों का कहना है कि मेले के दौरान यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो जाती है। ऐसे में प्रशासन को पहले से व्यापक इंतजाम करने चाहिए। लोगों का सुझाव है कि जिस प्रकार मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान प्रमुख मार्गों पर हर कुछ दूरी पर पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं, उसी प्रकार मेले के मार्ग पर भी पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और यातायात कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाए, ताकि जाम, भगदड़ और जेबकतरों जैसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। लोगों ने यह भी मांग की कि महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगजनों और नवविवाहित दंपतियों के लिए अलग एवं सुरक्षित दर्शन मार्ग बनाया जाए। मंदिर समिति और प्रशासन को मिलकर भीड़ प्रबंधन की ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। लगभग 500 वर्ष से अधिक प्राचीन माने जाने वाले श्री कल्याणमल देवता मंदिर के संबंध में मान्यता है कि यहां स्थापित चतुर्भुज प्रतिमा भूमि की खुदाई के दौरान प्रकट हुई थी। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रसाद चढ़ाते हैं और पारंपरिक अनुष्ठान संपन्न करते हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते समुचित यातायात और सुरक्षा प्रबंध कर दिए जाएं तो यह विशाल धार्मिक आयोजन और अधिक व्यवस्थित एवं सुरक्षित बन सकता है।

अतिरिक्त कूड़ा शुल्क वापस लेने की मांग, स्योहारा नगर पालिका के 16 सभासद एकजुट

बोर्ड बैठक बुलाकर प्रस्ताव निरस्त करने की मांग, ईओ को सौंपा ज्ञापन

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद स्योहारा के 16 सभासदों ने नगर में लगाए जा रहे अतिरिक्त कूड़ा शुल्क का विरोध करते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। इस संबंध में सभासदों ने अधिशासी अधिकारी को संयुक्त ज्ञापन सौंपकर शीघ्र बोर्ड बैठक बुलाने और अतिरिक्त शुल्क वसूली के प्रस्ताव को निरस्त करने की मांग की। ज्ञापन में सभासदों ने कहा कि नगर की अधिकांश आबादी मध्यम एवं निम्न आय वर्ग की है। ऐसे में गृहकर और जलकर के साथ अतिरिक्त कूड़ा शुल्क लगाया जाना आम जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालने जैसा है। महंगाई के इस दौर में लोगों पर नया शुल्क थोपना उचित नहीं है और वार्डों के नागरिक लगातार इसकी शिकायत कर रहे हैं। सभासदों का कहना है कि नगर पालिका बोर्ड की बैठक बुलाकर इस निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए तथा अतिरिक्त कूड़ा शुल्क की व्यवस्था को समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित को देखते हुए पालिका प्रशासन को इस निर्णय को वापस लेना चाहिए। ज्ञापन पर नगर पालिका के 16 सभासदों के हस्ताक्षर हैं, जिससे स्पष्ट है कि अतिरिक्त कूड़ा शुल्क के मुद्दे पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एकमत हैं। अब निगाहें पालिका प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस मांग पर क्या निर्णय लेता है। ज्ञापन पर सभासद खुर्शीद अहमद, विनोद तोमर, नसीम अहमद, आशिया परवीन, माहरा कमर, मुख्तार, सचिन त्यागी, समीर, इरफान तथा गुलफाम सहित कुल 16 सभासदों के हस्ताक्षर हैं।

मामूली कहासुनी में खूनी संघर्ष, गर्भवती महिला पर चाकू से हमले का आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- थाना हल्दौर क्षेत्र के मोहल्ला कानून गोयान में मामूली कहासुनी को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला खूनी संघर्ष में बदल गया। विवाद के दौरान दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चले, जबकि एक गर्भवती महिला पर चाकू से हमला किए जाने का आरोप लगाया गया है। बताया जा रहा है कि विवाद की शुरूआत शराब पीने को लेकर हुई कहासुनी से हुई। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान बीच-बचाव करने पहुंची गर्भवती महिला कामिनी पर दूसरे पक्ष के युवक छोटू कुमार ने कथित तौर पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजनों ने घायल महिला को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलने पर हल्दौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी हुई है।

पीजीआई में कैंटीन माफिया बेलगाम, तय कीमत से महंगे दाम पर बेच रहे खाने-पीने का सामान, मरीजों और तीमारदारों पर मार

चंडीगढ़। पीजीआई की न्यू ओपीडी में कैंटीन माफिया बेलगाम है। कैंटीन संचालक की ओर से हर दूसरे खाद्य पदार्थ पर लोगों से अतिरिक्त वसूली की जा रही है इसके साथ ही टेंडर के नियमों के विपरीत खाद्य पदार्थ बेचे जा रहे हैं, जो नियमों के अनुरूप नहीं है। दैनिक जागरण की पड़ताल में सामने आया कि कैंटीन संचालक सैंडविच, डोसा, पराठा और थाली समेत कई खाद्य पदार्थों पर निर्धारित दर से अधिक पैसे वसूल रहा है। कैंटीन संचालक टेंडर की शर्तों का खुलेआम उल्लंघन कर रहा है। जिन खाद्य पदार्थों को टेंडर के तहत निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराया जाना है, उनमें से कई वस्तुएं कैंटीन में मिल ही नहीं रही हैं। समोसा, पैटी, ब्रेड पकोड़ा, बेसन बर्फी, गुलाब

जामुन, चना-कुलचा, मठ्ठी, दूध, बर्गर और हाट डाग जैसी वस्तुएं सूची में शामिल होने के बावजूद उपलब्ध नहीं हैं। इन वस्तुओं में कम मुनाफा होने के कारण संचालक इन्हें बेचने से बच रहा है। इतना ही नहीं, टेंडर में सांभर-वड़ा और इडली की कीमत 40 रुपये निर्धारित है, लेकिन उनकी जगह डोसा बेचा जा रहा है, जिसके लिए 80 रुपये वसूले जा रहे हैं। इसी प्रकार टेंडर के अनुसार थाली की कीमत 60 रुपये तय है, जबकि कैंटीन में वही थाली 80 रुपये में बेची जा रही है। पीजीआई की न्यू ओपीडी में रोजाना हजारों मरीज और तीमारदार पहुंचते हैं। ऐसे में कैंटीन में हो रही मनमानी का सीधा असर मरीजों की जेब पर पड़ रहा है। अस्पताल आने वाले लोगों को कहना है कि पहले ही बीमारी के चलते परेशानी में अस्पताल आते हैं। कई बार पैसे न होने के कारण उधार लेकर आना पड़ता है। आमतौर पर खाली पेट बहुत सारे टेस्ट करवाने होते हैं। लोगों की मजबूरी का फायदा उठाते हुए कैंटीन संचालक जेब पर डाका डाल रहे हैं। अतिक्रमण कर चल रही जूस की दुकान न्यू ओपीडी कैंटीन के साथ ही अतिक्रमण कर जूस का स्टाल भी संचालित किया जा रहा है।

अवैध खनन पर छतारी पुलिस की कार्रवाई, डम्पर व ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज

छतारी/बुलंदशहर (सब का सपना):- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना छतारी पुलिस ने अवैध खनन करते हुए एक डम्पर और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज किया है। सोमवार को चौकी नई नगला क्षेत्र के हिम्मतगढ़ी बॉर्डर पर गश्त के दौरान पुलिस ने दोनों वाहनों को मिट्टी से भरा हुआ पकड़ा। पुलिस ने चालकों से खनन संबंधी अनुमति और अधिकार पत्र मांगे। कोई वैध कागजात न दिखाने पर वाहनों को एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया गया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन के कुशल निर्देशन, क्षेत्राधिकारी डिबाई मधुप कुमार सिंह के पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने दोनों वाहनों को थाना परिसर लाकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

अमृतसर में थार में संदिग्ध परिस्थितियों में मिली युवक की लाश, खुली शराब की बोतल ने बढ़ाए सवाल

अमृतसर। अमृतसर के नारायणगढ़ क्षेत्र में सोमवार सुबह सड़क किनारे खड़ी एक काली रंग की थार गाड़ी के भीतर एक युवक का शव मिला।घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस

टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक गाड़ी के अंदर अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। काफी प्रयास के बाद वाहन को खुलवाया गया। जब पुलिस ने भीतर देखा तो युवक की मौत हो चुकी थी। गाड़ी की तलाशी लेने पर अंदर एक खुली शराब की बोतल भी मिली, जिसके बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि युवक ने शराब अकेले पी थी या उसके साथ अन्य लोग भी मौजूद थे। मृतक ने टी-शर्ट, निकर और सिर पर टोपी पहन रखी थी। उसके पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ, लेकिन मोबाइल की स्क्रीन लॉक होने के कारण पुलिस तत्काल उसमें मौजूद जानकारी नहीं देख सकी। ऐसे में पुलिस ने वाहन के पंजीकरण नंबर के आधार पर मालिक और मृतक की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि युवक ने रविवार रात अपने कुछ दोस्तों के साथ शराब पी होगी। संभावना यह भी जताई जा रही है कि अत्यधिक शराब या किसी अन्य नशीले पदार्थ की ओवरडोज के कारण उसकी गाड़ी के भीतर ही मौत हो गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही चल सकेगा। टनास्थल से मिले सभी साक्ष्यों को सुरक्षित कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस आसपास लगे निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि युवक रात के समय किसके साथ आया था और उसके साथ आखिरी बार कौन लोग दिखाई दिए थे। साथ ही आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

पंजाब में मानसून फिर सक्रिय: 13 जिलों में भारी से बेहद भारी बारिश का अलर्ट, उमस भरी गर्मी से मिलेगी राहत

पंजाब में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने आज से 13 जिलों में तीन दिन तक भारी से बेहद भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इससे

अधिकतम तापमान में चार डिग्री तक गिरावट आने की संभावना है और पिछले कई दिनों से पड़ रही गर्मी व उमस से राहत मिलने के आसार हैं। जिन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है उनमें पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर, नवांशहर, फतेहगढ़ साहिब, रूपनगर, अमृतसर, तरनतारन, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, पटियाला और मोहाली शामिल हैं। अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। विभाग ने 23 जुलाई के लिए भी पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर और रूपनगर में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। रविवार को राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई जिससे अधिकतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक 40.8 डिग्री सेल्सियस तापमान बठिंडा में रिकॉर्ड किया गया जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस पठानकोट में दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों में वर्षा की गतिविधियां तेज रहने की संभावना है जिससे प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम सुहावना बना रहेगा।

कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता:- मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन

मेरठ/अमरोहा (सब का सपना): कांवड यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराये जाने हेतु शासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन एस0पी0 गोयल एवं डीजीपी राजीव कृष्ण की संयुक्त अध्यक्षता में कांवड यात्रा को लेकर मंडलायुक्त सभागार में मेरठ, सहारनपुर, अलीगढ, मुरादाबाद मंडल एवं उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान राज्यो के वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियो के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आहूत की गयी। भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने बाबा औघडनाथ मंदिर पहुंचकर कांवड से संबंधित सुरक्षा व्यवस्थाओ का जायजा लिया तथा जलाभिषेक किया। वर्चुअल माध्यम से संबंधित समस्त जुडे पश्चिमी उ0प्र0 के समस्त जनपदो के अधिकारियो ने कांवड यात्रा कार्यवाही से अवगत कराया। बैठक में पीपीटी के माध्यम से कांवड यात्रा के संबंध में आने वाली चुनौतियो एवं उनसे निपटने के लिए की गई तैयारियो के संबंध में मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन व डीजीपी के समक्ष प्रजेन्टेशन दिया गया। जनपद आगमन पर आयुक्त व एडीजी महोदय ने मुख्य सचिव एवं डीजीपी महोदय का मोमेन्टो व पौधा भेंटकर तथा शॉल ओढाकर स्वागत किया। मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन एस0पी0 गोयल ने कहा कि कांवड यात्रा को सकुशल संपन्न कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं विशाल आयोजन है। इसे बिना किसी अप्रिय घटना एवं बिना किसी दुर्घटना के सफलतापूर्वक सम्पन्न कराना हम सभी का साझा दायित्व है। इसके

लिए सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों एवं दिए गए निदेशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। कांवड़ यात्रा के दौरान सम्पूर्ण कांवड़ मार्ग एवं उससे जुड़े सभी प्रमुख स्थलों पर नियमित साफ-सफाई, स्वच्छता एवं सैनिटेशन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कांवड़ शिविरों का संचालन निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जाए। शिविरों के लिए आवश्यक अनुमति, विद्युत कनेक्शन, अग्नि सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा एवं अन्य सभी सुरक्षा मानकों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। कांवड़ उठाने के स्थलों, स्नान घाटों, प्रमुख मंदिरों एवं जलाभिषेक स्थलों पर सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता, चिकित्सा सहायता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुदृढ़ रूप से सुनिश्चित की जाएं। सभी कांवड़ मार्गों पर आवश्यकतानुसार चिकित्सा शिविर, बाइक एम्बुलेंस, एम्बुलेंस सेवा तथा अस्पतालों में पर्याप्त बेड आरक्षित रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। जीरो इंसीडेंट जीरो एक्सीडेंट अचीव करने के लक्ष्य के साथ कार्यवाही की जायेगी। उन्होने कहा कि ट्रैफिक डायवर्जन के दृष्टिगत सभी संबंधित जनपदों एवं सीमावर्ती राज्यों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित किया जाए। सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान, संयुक्त रूट प्लानिंग तथा प्रत्येक बिंदु पर पूर्व तैयारी सुनिश्चित करते हुए भीड़ प्रबंधन एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाई जाए, जिससे श्रद्धालु सुरक्षित एवं सुविधाजनक ढंग से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। सभी जनपदों एवं सीमावर्ती राज्यों के साथ स्पष्ट एवं सुदृढ़ कम्युनिकेशन प्लान तैयार किया जाए, जिससे किसी भी स्थिति में समन्वय की कमी न रहे तथा आवश्यक निर्णय त्वरित रूप से लिए जा सकें। कांवड़ यात्रा के संबंध में ग्राम स्तर तक सुरक्षा समितियों के साथ बैठकें आयोजित कर संवाद स्थापित किया जाए तथा चिन्हित संवेदनशील बिंदुओं पर पूर्व से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होने कांवड यात्रा आयोजन के संबंध में प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, विद्युत पोल को पालिथीन से कवर कराने, ट्रांसफार्मर की बैरिकेडिंग कराने, गोताखोर, मोटरबोट, चिकित्सा सुविधा, होटल-ढाबो पर रेट लिस्ट, चिकित्सा शिविर, मीट और शराब की दुकान संचालन न होना, मोबाइल टॉयलेट, स्ट्रीट लाईट, सडक मरम्मत/पेंचवर्क, रूट डायवर्जन, सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन से निगरानी, कम्यूनिकेशन प्लॉन, साईनेज, सोशल मीडिया, सुरक्षा समितियो के साथ बैठक एवं संवाद, जल निकासी, प्लास्टिक मुक्त, शांति एवं कानून व्यवस्था सहित कांवड यात्रा के सभी बिन्दुओ पर गहन मंथन/चर्चा करते हुये कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। बैठक में दिए गए सभी निदेशों का गंभीरता से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। ड्यूटी पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों के प्रति पूर्णतः सजग रहें तथा अधीनस्थ स्तर तक प्रत्येक निर्देश का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। कांवड़ यात्रा में तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्व प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। उन्हें उनके दायित्वों, व्यवहार, आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन परिस्थितियों में की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में स्पष्ट जानकारी दी जाए। श्रद्धालुओं एवं आमजन के प्रति संवेदनशील एवं शालीन व्यवहार रखा जाए। डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति का तत्काल संज्ञान लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे कानून-व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों एवं एक्सप्रेस-वे के एंट्री एवं एग्जिट प्वाइंट पर पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं प्रशासनिक कार्मिक तैनात किए जाएं, ताकि मार्ग की जानकारी के अभाव में कांवड़ यात्री भ्रमित न हों तथा उन्हें निर्धारित मार्ग पर सुरक्षित रूप से भेजा जा सके। पड़ोसी राज्यों के एंट्री प्वाइंट एवं चेक पोस्ट पर सतत समन्वय बनाए रखा जाए। किसी भी परिस्थिति में सूचना संप्रेषण में बाधा न आए तथा आवश्यक सूचनाओं का तत्काल आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाए। डीजे संचालन सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित ध्वनि मानकों के अनुरूप कराया जाए। डीजे की ऊंचाई मानक के अनुरूप रहे। डीजे संचालकों के साथ पूर्व में बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएं तथा सत्यापन एवं चिन्हांकन की कार्रवाई समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए। डीजे प्रतियोगिता, बिना साइलेंसर के वाहन संचालन, स्टंटबाजी एवं अन्य अवांछनीय गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए, पूर्व सत्यापन कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी शिकायत पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। कांवड़ यात्रा से संबंधित आवश्यक सूचनाएं समय-समय पर विभिन्न मीडिया एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से आमजन एवं श्रद्धालुओं तक पहुंचाई जाएं। अफवाहों, भ्रामक समाचारों एवं फेक नैरेटिव पर सतत निगरानी रखी जाए तथा ऐसी किसी भी सूचना के संज्ञान में आने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जाये तथा पूर्व में चिन्हित कर कार्यवाही की जाये। अंत में मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन एस0पी0 गोयल ने मंडलो के समस्त वरिष्ठ अधिकारियो को अन्य राज्यो के साथ समन्वय स्थापित करते हुये शासन की मंशा के अनुरूप कांवड यात्रा को भव्य रूप से सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर एडीजी भानु भास्कर, आयुक्त मेरठ मंडल भानू चन्द्र गोस्वामी, डीआईजी कलानिधि नैथानी, सहारनपुर मंडलायुक्त डॉक्टर रूपेश कुमार, अलीगढ, मुरादाबाद मंडलो के कमिश्नर, डीआईजी सहारनपुर अभिषेक सिंह,सीमावर्ती राज्यो के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जिलाधिकारी मेरठ डा0 वी0के0 सिंह, एसएसपी मेरठ अविनाश पांडे, प्रबंध निदेशक पीवीवीएनएल रवीश गुप्ता, सीडीओ मेरठ नूपुर गोयल, अपर आयुक्त अमित कुमार, नगर आयुक्त मेरठ सौरभ गंगवार, उपाध्यक्ष एमडीए संजय कुमार मीणा, जिला सूचना अधिकारी मेरठ सुमित कुमार, डीपीआरओ वीरेन्द्र सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी आयुक्त सभागार में भौतिक रूप से उपस्थित रहे तथा मेरठ, सहारनपुर, अलीगढ, मुरादाबाद मंडल के समस्त जनपदो के संबंधित अधिकारी एवं उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान के संबंधित अधिकारीगण वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
मंगलवार 21 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

नवोदय विद्यालय में विज्ञान गणित प्रदर्शनी में प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

बुगरासी/ बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के बुकलाना में स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में विज्ञान और गणित की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विघार्थियों ने विज्ञान और गणित पर आधारित विभिन्न प्रकार के माडल प्रस्तुत किए, जिससे उसकी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता की झलक देखने को मिली। प्रदर्शनी का शुभारंभ उपप्राचार्य प्रमोद कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान और गणित जीवन की समस्यो का समाधान खोजने का माध्यम है। जिससे विघार्थियों में तार्किक सोच विकसित होती है। उन्होंने विघार्थियों को भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रदर्शनी में विघार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण,सौर ऊर्जा, स्मार्ट सिटी,वर्षा जल संचयन, यातायात प्रबंधन रोबोटिक्स, गणितीय अवधारणाओं, विज्ञान के प्रयोगों और आधुनिक तकनीकी से जुडे अनेक मांडल प्रदर्शित किए। शिक्षकों और अभिभावकों के सवालों का बच्चों ने उत्तर भी दिए। प्रदर्शनी में विघार्थियों व अभिभावकों ने भाग लिया इस अवसर पर हेमंत सिंह,सीमा ,आर सी शर्मा, पूजा यादव ने सहयोग किया।

चरौरा नहर पुल पर बंदरों का आतंक, राहगीर और किसान परेशान

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के चरौरा नहर पुल पर बंदरों के झुंड के कारण राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया है। दिनभर पुल पर बंदरों का आतंक रहता है। अहार-जहांगीराबाद मार्ग पर प्रतिदिन हजारों यात्री गुजरते हैं। पुल पर मौजूद बंदरों का झुंड अचानक राहगीरों पर हमला कर देता है, जिससे कई लोग चोटिल हो चुके हैं। बंदर खाने-पीने का सामान भी छीन ले रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बंदर न केवल राहगीरों को निशाना बना रहे हैं, बल्कि किसानों की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे किसानों को आर्थिक हानि उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से मांग की है कि बंदरों को पकड़कर किसी दूरस्थ स्थान पर छोड़ा जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते अभियान चलाकर इन्हें नहीं हटाया गया तो कोई बड़ी घटना हो सकती है। फिलहाल नहर पुल से गुजरने वाले राहगीरों की जान जोखिम में है।अभी तक वन विभाग के अधिकारियों की ओर से इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पशुओं के टीकाकरण के लिए आज से शुरू होगा व्यापक अभियान

खुर्जा /बुलंदशहर (सब का सपना):- जिले में दुधारू पशुओं को खुरपका,मुंह पका बीमारी से बचाने के लिए आठवें चरण का टीकाकरण अभियान 22 जुलाई से प्रारंभ होगा। इस अभियान के तहत सभी 16 ब्लॉकों में 43 टीम गठित की गई है। जो पशुपालकों के घर-घर जाकर लगभग 7:30 लाख दुधारू पशुओं का टीकाकरण करेंगे। इस संबंध में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि जिला बुलंदशहर में कुल 7 लाख 69000 गोवंश एवं महिषवंशी पशु है। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत इनका खुरपका, मुंहपका रोग से बचाव के लिए हर 6 माह में टीकाकरण किया जाता है। यह अभियान 22 जुलाई से 8 सितंबर तक चलेगा। इसमें 4 माह से छोटे और आठ माह से बड़े ज़ायबन पशुओं को छोड़कर सभी गोवंश एवं महिशबंशी पशुओं का निशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। टीमों द्वारा पशुओं के कान में टैग लगाया जाएगा और भारत पशुधन एप पर पशुपालक एवं पशुओं का पंजीकरण रियल टाइम में अपलोड किया जाएगा। टीकाकरण का लक्ष्य स शतप्रतिशत पूरा करने के लिए सभी अधीनस्थों को निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में सीवीओ ने बताया कि अभियान के लिए सभी विकासखंड स्तरीय पशु चिकित्सा में पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध कराई गई है। पशुपालकों से अपील की गई है कि वह अपने पशुओं को भारत पशुधन एप पर पंजीकृत कराकर निशुल्क टीकाकरण का लाभ उठाएं।

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए विधायक ने पदाधिकारियों के साथ बनाई रणनीति

सिकंदराबाद /बुलंदशहर(सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के आगामी 22 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाले बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने के उद्देश्य से सोमवार को सिकंदराबाद स्थित विधायक कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सम्मेलन की तैयारियों की व्यापक समीक्षा करते हुए बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की रणनीति पर विस्तार से मंथन किया गया,बैठक को संबोधित करते हुए विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका मजबूत बूथ संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से प्रत्येक बूथ तक संपर्क स्थापित कर अधिकतम कार्यकताओं एवं बूथ अध्यक्षों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया, ताकि सम्मेलन संगठन की एकता, अनुशासन और कार्यकर्ता शक्ति का भव्य प्रदर्शन बन सके,बैठक में जिला महामंत्री दीपक शर्मा, जिला मंत्री ,पुष्कर , जिला उपाध्यक्ष कुलदीप चौधरी जिला मंत्री मधुर चौहान , पूर्व जिला मंत्री अरविंद दीक्षित , पूर्व जिला उपाध्यक्ष ऊषा बंसल , सांसद प्रतिनिधि सुरेश चंद शर्मा , मंडल अध्यक्ष ,ललित भाटी , मंडल अध्यक्ष त्रिवेश गुप्ता, टिनी भाटी , हरिओम डागर , पूर्व मंडल अध्यक्ष पिंकी बोरा, सोनू शर्मा , पूर्व मंडल अध्यक्ष सुभाष भाटी सहित समस्त मंडल महामंत्री, मंडल मंत्री एवं बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे, बैठक के अंत में सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं तथा प्रत्येक बूथ तक संगठन की पहुँच सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

गाजियाबाद में मामूली विवाद बना हिंसक झड़प, लाठी-डंडों और ईंटों से मारपीट का वीडियो वायरल

गाजियाबाद (सब का सपना):- विजय नगर क्षेत्र के प्रताप विहार स्थित लीलावती चौक पर रविवार को दो पक्षों के बीच हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। बीच सड़क पर दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद की शुरूआत किसी छोटी कहासुनी से हुई थी, लेकिन कुछ ही देर में दोनों पक्षों के लोग बड़ी संख्या में मौके पर इकट्ठा हो गए और झगड़ा बढ़ गया। देखते ही देखते सड़क रणक्षेत्र में तब्दील हो गई और लोगों ने एक-दूसरे पर जमकर हमला बोल दिया। इस दौरान राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों में दहशत फैल गई। घटना का वीडियो किसी स्थानीय व्यक्ति ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह लोग खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। कुछ लोग बीच-बचाव की कोशिश करते भी नजर आए, लेकिन उग्र भीड़ के सामने उनकी एक न चली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। हालांकि, तब तक कई लोग घायल हो चुके थे। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इलाके में आए दिन छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होते रहते हैं, लेकिन समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं होने से ऐसे विवाद बढ़कर हिंसा का रूप ले लेते हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही सभी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें।

बीच सड़क खड़े वाहन को हटाने के विवाद में मारपीट, सभासद समेत कई घायल

दर्जनभर लोगों ने धारदार हथियार व लाठी-डंडे से बोला हमला

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- रविवार देर शाम नगर के मोहल्ला मेमरान में बीच सड़क खड़े एक चौपहिया वाहन को हटाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया, देखते ही देखते कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई। घटना में वार्ड सभासद सहित कई लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल सभासद समेत दो लोगो को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मामले की जानकारी पाकर चेयरमैन किशनपाल लोधी, भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश सैनी समेत कई वार्ड सभासद व लोगों का बड़ा हुजूम जुटता हुआ दिखाई दिया, उधर, कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र राठौर ने ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया है। जानकारी के अनुसार वार्ड सभासद ओमप्रकाश लोधी के चचेरे भाई मुकेश रविवार देर शाम कार से जहांगीराबाद लौट रहे थे, मोहल्ला मेमरान पहुंचने पर रास्ते में एक चौपहिया वाहन खड़ा मिला। वाहन को हटाने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जो कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई। घटना में सभासद ओमप्रकाश लोधी समेत कई लोग घायल हुए, वहीं, एक राहगीर तौफीक के साथ भी मारपीट होने की बात सामने आई है। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभासद व घायल तौफीक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, दोनो पक्षो से मालती पत्नी कन्हैया, रिंकू पुत्र राजेश तथा जमना पत्नी राजेश भी घायल हुए हैं।

सीबीएसई एथलेटिक्स क्लस्टर 19 चैम्पियनशिप में कृष्णा एवं अमित ने जीते स्वर्ण पदक

अनूपशहर/ बुलंदशहर (सब का सपना):- जेपी विद्या मंदिर मुख्य परिसर के छात्रों ने 16 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक पुलिस मार्डन स्कूल हरिद्वार में आयोजित सीबीएससी एथलेटिक्स क्लस्टर 19 चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। विधालय की प्रधानाचार्या नीना चतुवेर्दी ने बताया कि अंडर-14 बालक वर्ग में कृष्णा शर्मा ने डिस्कस थ्रो तथा शॉटपुट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अंडर-19 बालक वर्ग में अमित यादव ने डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। दोनों छात्र जेपी विद्या मंदिर के हास्टल छात्र हैं। कृष्णा शर्मा को अंडर-14 बालक वर्ग में बैस्ट एथलीट घोषित किया गया। कृष्णा शर्मा अक्टूबर 2026 में छात्र राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने पटियाला जायेंगे। कोच विवेक वर्मा को भी छात्रों के साथ सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधक प्रखर गर्ग तथा विधालय की प्रधानाचार्या नीना चतुवेर्दी ने छात्रों व कोच को बधाई देते हुए कहा कि निरंतर प्रयास और कठोर परिश्रम के बल पर ही आज यह गौरवान्वित समय आया है उन्होंने सभी को इसी प्रकार हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है सभी ने छात्रों व कोच विवेक वर्मा को बधाई दीं।

गुरुग्राम: अंदर से टूटा था में 66 केवी बिजली लाइन का कंडक्टर, बाहर से दिख रहा था सुरक्षित

बादशाहपुर (गुरुग्राम)। गुरुग्राम में सेक्टर-35 से हरसरू तक जाने वाली 66 केवी बिजली लाइन का कंडक्टर होलो पाइप के अंदर से टूटा था, जो बाहर से सुरक्षित दिख रहा था और हाईवे पर गिर गया। एचवीपीएन ने रातभर मरम्मत कर सुबह 3 बजे तक आपूर्ति बहाल की; अब जांच होगी कि अंदरूनी खराबी समय पर क्यों नहीं पकड़ी गई और किसकी जिम्मेदारी है। सेक्टर-35 से हरसरू तक जाने वाली 66 केवी बिजली लाइन में हुए बड़े हादसे की शुरूआती जांच में चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। लाइन का कंडक्टर बाहर से पूरी तरह सुरक्षित दिखाई दे रहा था लेकिन वह जाइंट पर लगाए गए होलो पाइप के अंदर से टूट चुका था। इसी कारण कंडक्टर अचानक टूटकर हाईवे पर गिर गया। गनीमत रही कि उस समय कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। किसी भी लाइन में जहां कंडक्टर की लंबाई समाप्त होती है, वहां दोनों सिरों को जोड़ने के लिए विशेष होलो पाइप लगाकर जाइंट बनाया जाता है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक इसी होलो पाइप के भीतर कंडक्टर टूट गया था।

बाहर से दिख रहा था सामान्य

बाहर से पाइप और कंडक्टर सामान्य दिखाई देने के कारण अंदर की खराबी का पता नहीं चल सका। इसके बाद जाइंट फेल होने से पूरा कंडक्टर टूटकर नीचे गिर गया। हालांकि यह बात भी सामने आई कि संबंधित जूनियर इंजीनियर को लाइन पर लगातार निगरानी रखनी चाहिए थी। घटना के बाद हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम (एचवीपीएन) की टीम ने रातभर मरम्मत कार्य किया। रविवार तड़के करीब तीन बजे क्षतिग्रस्त हिस्से को हटाकर नया कंडक्टर लगाया गया और 66 केवी लाइन को दोबारा चालू कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि होलो पाइप के अंदर हुई खराबी समय रहते पकड़ में क्यों नहीं आई। कार्यकारी अभियंता टीएस मानेसर ने लाइनों के रखरखाव की जिम्मेदारी की रिपोर्ट समय-समय पर क्यों नहीं ली। क्या नियमित निरीक्षण में चूक हुई या फिर तकनीकी खामी के कारण यह स्थिति बनी।

तीनबजेतक मौजूद रहे अधिकारी

इसकी जांच अभी बाकी है। घटना के बाद से ही लाइन चालू होने तक टीएस मानेसर और टीएस गुरुग्राम के सभी अधिकारी मौके पर रात तीन बजे तक मौजूद रहे। एचवीपीएन ने फिलहाल किसी अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी तय नहीं की है।रविवार को अवकाश होने के कारण मामले में कोई प्रशासनिक निर्णय नहीं लिया गया। अब सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में पूरे घटनाक्रम की समीक्षा होने और जांच के बाद जिम्मेदारी तय किए जाने की संभावना है। यदि रखरखाव या निरीक्षण में लापरवाही सामने आती है तो कार्यवाही होगी। एसडीओ विकास यादव का कहना है कि लाइन की समय-समय पर निरीक्षण रिपोर्ट ली जाती थी। दिन में फालोअप और रात्रि में सभी लाइनों की पेट्रोलिंग की जाती है।

जहां से इस लाइन का कंडक्टर टूटा है, वह बाहर से बिल्कुल सुरक्षित दिख रहा था।

नई दिल्ली और बेंगलुरू की इंडिगो ने चार उड़ानें निरस्त कीं मुश्कलि में पड़ा यात्रियों का सफर

दिल्ली इंडिगो ने नई दिल्ली और बेंगलुरू से चार उड़ानें रद्द कर दी हैं, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. उड़ानें रद्द होने के कारण यात्रियों का सफर मुश्किल हो गया है. कंपनी ने अभी तक उड़ानों के रद्द होने का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया है, जिससे यात्रियों में निराशा है। बाबतपुर से शुक्रवार को इंडिगो एयरलाइंस ने अपनी दो शहरों की चार उड़ानों को रद करने की जानकारी दी है। एयरलाइंस ने यात्रियों को इस निरस्तीकरण की सूचना पहले ही दे दी थी, जिससे उन्हें वैकल्पिक उड़ान चुनने या टिकट रद कराने की सुविधा प्राप्त हुई। अधिकांश यात्रियों ने अपने टिकट को दूसरी उड़ान में स्थानांतरित कर लिया, जबकि कुछ ने टिकट कैंसिल करने का निर्णय लिया। इंडिगो के अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली से वाराणसी और वापस दिल्ली की उड़ान 6ए 6258/2231 तथा बैंगलुरु की उड़ान 6ए 185/353 को रद्द किया गया है। यह सूचना यात्रियों को एक दिन पूर्व ही प्रदान की गई थी, जिससे उन्हें अपनी यात्रा की योजना में बदलाव करने का अवसर मिला। उड़ानों के रद्द होने से प्रभावित यात्रियों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कुछ यात्रियों ने बताया कि उन्हें नई उड़ान बुक करने में कठिनाई का सामना करना पड़ा, जबकि अन्य ने इंडिगो की सेवा को संतोषजनक बताया। एयरलाइंस ने यात्रियों को आश्वासन दिया है कि वे उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए तत्पर हैं। इंडिगो एयरलाइंस ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय उड़ानों की स्थिति की जांच अवश्य करें। इसके अलावा, एयरलाइंस ने यह भी कहा है कि वे भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा है, लेकिन एयरलाइंस ने उन्हें वैकल्पिक विकल्प प्रदान करने का प्रयास किया है। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, इंडिगो ने अपनी सेवाओं में सुधार करने का संकल्प लिया है।

सोनम वांगचुक केस में दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र और अस्पताल को जारी किया नोटिस, तलब की पूरी हेल्थ रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोनम वांगचुक को निजी अस्पताल में शिफ्ट करने की याचिका पर केंद्र सरकार और सफदरजंग अस्पताल से जवाब मांगा है। एम्स व सफदरजंग के डॉक्टरों को अगली सुनवाई में उपस्थित रहने का निर्देश दिया। नई दिल्ली। निजी अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग को ठुकराने के एकल पीठ के निर्णय के खिलाफ सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार व सफदरजंग अस्पताल से जवाब मांगा है। अदालत ने सफदरजंग अस्पताल, एम्स और प्राइवेट लैब में सैंपल की जांच के आधार पर तैयार सभी पैथोलॉजिकल रिपोर्ट एक हलफनामे में दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही य भी निर्देश दिया कि सफदरजंग अस्पताल के डायरेक्टर द्वारा उनकी पुष्टि करने का भी निर्देश दिया

अदालत के प्रमुख निर्देश

अदालत ने निर्देश दिया कि मामले में उसकी मदद के लिए एम्स के डायरेक्टर और अन्य सलाहकार व इलाज करने वाले डॉक्टर मंगलवार को होने वाली सुनवाई के दौरान मौजूद रहें। अगली सुनवाई मंगलवार को दोपहर 12:30 बजे होगी। कोर्ट ने याचिका देने वालीं सोनम वांगचुक की पत्नी को निर्देश दिया कि वे अपने पति के खून या यूरिन के सैंपल की जांच के आधार पर बनी लैब और पैथोलॉजिकल रिपोर्ट पेश करें। साथ ही, सफदरजंग अस्पताल, एम्स और प्राइवेट लैब में सैंपल जांच के आधार पर तैयार सभी रिपोर्ट एक हलफनामे के जरिए दाखिल करने को कहा गया। सफदरजंग अस्पताल के डायरेक्टर को इन रिपोर्ट की पुष्टि करनी होगी। निजी अस्पताल में शिफ्ट करने के अनुरोध पर अदालत ने कहा कि सोनम वांगचुक की सभी मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद मंगलवार को इस पर विचार किया जाएगा।

सरकार का तर्क

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह इच्छामृत्यु का मामला नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि व्यक्ति को विरोध-प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन अगर कोई कहे कि 'जब तक मेरी मांग पूरी नहीं होती, मैं आत्महत्या कर लूंगा', तो जनहित का सवाल उठ जाता है। एसजी ने कहा कि जब किसी व्यक्ति की सेहत बिगड़ने या जान जाने का असर कानून-व्यवस्था पर पड़ता है, तो राज्य का हित शामिल हो जाता है। उन्होंने प्राइवेट लैब रिपोर्ट और सफदरजंग अस्पताल के बुलेटिन का भी हवाला दिया।

सोनम वांगचुक की पत्नी ने क्या लगाए आरोप?

वरिष्ठ अधिवक्ता अखिल सिब्बल ने सोनम वांगचुक की पत्नी की ओर से कहा कि पुलिस ने हाई कोर्ट के 16 जुलाई के आदेश का हवाला देकर उन्हें जबरन सफदरजंग अस्पताल ले जाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कोई पूर्व सूचना या रिपोर्ट साझा किए बगैर पुलिस सोनम वांगचुक को अस्पताल लेकर गई थी। परिवार या सोनम वांगचुक से कोई बातचीत नहीं की गई। 18 जुलाई की सुबह पुलिस फोर्स के साथ जबरन उन्हें अस्पताल शिफ्ट किया गया था। पिछले 20 दिनों से उनकी देखभाल कर रहे निजी डॉक्टरों को भी उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। रिपोर्ट डिजिटल या फिजिकल रूप में देने से इंकार कर दिया गया।

पोटैशियम के स्तर पर पूछा सवाल

सिब्बल ने कहा कि सैंपल लेने के लिए 10 घंटे इंतजार करना पड़ा और आधी रात को एक और सैंपल लिया गया। उन्होंने बताया कि 17 जुलाई की रिपोर्ट के अनुसार पोटैशियम का स्तर सामान्य सीमा में था। इसके जवाब में मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि क्या डॉक्टर को दवा देने के लिए आईसीयू में जाने का इंतजार करना चाहिए? उन्होंने कहा कि जो भी रिपोर्ट या टेस्ट किए गए हैं, उनकी जानकारी तुरंत दी जानी चाहिए।

दिल्ली में पुलिस मुठभेड़ नंदू गैंग के इनामी शूटर गिरफ्तार, बुलेटप्रूफ जैकेट ने बचाई पुलिसकर्मियों की जान

बाहरी दिल्ली स्पेशल स्टाफ ने टिकरी कलां में मुठभेड़ के बाद नंदू गैंग के दो इनामी बदमाशों प्रवीण उर्फ पिंकी और रोहित उर्फ चीरा को गिरफ्तार किया बाहरी दिल्ली स्पेशल स्टाफ टीम ने रविवार देर रात टिकरी कलां में मुठभेड़ के बाद कुख्यात कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के दो सक्रिय बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था और वे हरियाणा के झज्जर जिले के बहादुरगढ़ सिटी थाने में दर्ज फायरिंग के एक मामले में वांछित थे। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की ओर से चलाई गई दो गोलियां पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगीं, जिससे दोनों जवान बाल-बाल बच गए। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर रोहित के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाया। पुलिस ने दोनों को घेरकर आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में हुई संक्षिप्त मुठभेड़ के दौरान दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें दबोच लिया गया। पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह के मुताबिक, स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली थी कि प्रवीण उर्फ पिंकी और रोहित उर्फ चीरा टिकरी कलां के पीवीसी रोड पर अपने एक साथी से मिलने आने वाले हैं और उनके पास अवैध हथियार हैं। मुठभेड़ में कॉन्स्टेबल अनुज और कॉन्स्टेबल हरकेश की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोलियां लगीं, जिससे उनकी जान बच गई। आरोपितों के कब्जे से दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, चार खोखे और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। इस संबंध में मुंडका थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जांच में पता चला कि दोनों आरोपित हरियाणा के बहादुरगढ़ में दर्ज फायरिंग के मामले में वांछित थे। रोहित उर्फ चीरा दिल्ली के नरेला थाने के एक मामले में पैरोल जंपर भी है। प्रवीण उर्फ पिंकी पर पहले से छह और रोहित पर चार आपराधिक मामले दर्ज हैं।

दिल्ली के कालकाजी में 16 वर्षीय छात्र की चाकू मारकर हत्या, स्कूल से लौटते समय हुआ हमला

दिल्ली के कालकाजी में सोमवार दोपहर 16 वर्षीय स्कूली छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। स्कूल से लौटते समय हुए इस हमले से इलाके में हड़कंप मच गया है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कालकाजी इलाके में सोमवार दोपहर करीब 2 बजे एक 16 वर्षीय स्कूली छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। सनसनीखेज हत्या की वारदात ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार छात्र स्कूल से घर लौट रहा था,

तभी उस पर चाकू से हमला किया गया। हमले में गंभीर रूप से घायल छात्र की मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर खुद डीसीपी साउथ ईस्ट हेमंत तिवारी भी पहुंचे।

पुलिस मामले की जांच में जुटी

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है

तथा प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। हत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

हालांकि आपसी रंजिश में घटना को अंजाम देने की बात कही जा रही है।

जानकारी

रोजाना इन पीली गोलियों का सेवन आपके शरीर को देता है ये फायदे

ओमेगा 3 फैटी एसिड पोलीअनसैच्यूरेटेड फैटी एसिड का एक समूह है, जो हमारे शरीर की गतिविधियों के लिए बेहद जरूरी है। ओमेगा 3 फैटी एसिड प्राकृतिक रूप से सैल्मन, ट्यूना और ट्रॉट जैसे सीफूड में पाया जाता है। एक और तरीके का ओमेगा 3 भी होता है, जिसे एएलए कहते हैं, जो कि कुछ सब्जियों, सोया और सफेद सरसों के तेल में पाया जाता है। ओमेगा 3 का सेवन करना बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा शरीर खुद से इसे नहीं बना सकता जैसा कि अन्य फैट्स करते हैं। पीले रंग की इस गोलियों का सेवन आपको रोजाना करना चाहिए। इन पीली गोलियों के रोजाना सेवन से आप इन 4 रोगों से दूर रह सकते हैं।

अवसाद और चिंता से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

अवसाद और चिंता वर्तमान में सबसे आम मानसिक बीमारियों में से हैं। अवसाद के लक्षणों में उदासी, आलस्य और किसी काम में मन न लगना जैसी चीजें शामिल हैं। जबकि चिंता में निरंतर घबराहट जैसी समस्या रहती है। हैरानी की बात ये कि कई अध्ययनों से यह संकेत मिले हैं कि जो लोग रोजाना ओमेगा 3 का सेवन करते हैं, उनके अवसादग्रस्त या चिंतित होने की संभावना बहुत कम होती है। इसके साथ ही अवसाद और चिंता से पीड़ित लोगों ने ओमेगा 3 का रोजाना सेवन करने के बाद अपने लक्षणों में सुधार की बात भी कही है।

आपको आंखों को तेज बनाने का काम करता है ओमेगा 3

जब आपको पर्याप्त डीएचए नहीं मिला पाता तब आपको देखने की समस्या होने लगती है। डीएचए भी एक प्रकार का ओमेगा-3 है। नियमित रूप से ओमेगा-3 का सेवन मैक्यूलर डिजेनेरेशन के जोखिम को कम करता है। इस रोग के कारण कोई भी व्यक्ति स्थायी रूप से आंखों की रोशनी खो सकता है।

ऑटोइम्युन डिजिज से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

ऑटोइम्युन डिजिज में आपका इम्युन सिस्टम आपके हेल्दी सेल्स को बाहरी सेल्स मानकर उनपर हमला कर देता है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि आपके पैंक्रियाज में इंसुलिन पैदा करने वाले सेल्प पर भी आपका इम्युन सिस्टम हमला करता है, जिसका कारण आप टाइप-1 डायबिटीज का शिकार हो जाते हैं।

डेंगू और जीका वायरस को रोकने के लिए खोजा गया नया तरीका

मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां जैसे डेंगू और जीका वायरस को रोकने का अब एक प्राकृतिक उपाय निकाल लिया गया है। सबसे अच्छी बात ये है कि इस बीमारी की रोकथाम में अब एक ऐसी पद्धति का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे पर्यावरण को कोई हानि नहीं पहुंचेगी। यानी कि अब हम बीमारियों को रोकने में भी एक सस्टेनेबल मेथड का इस्तेमाल करने की ओर बढ़ रहे हैं। बता दें कि आज पूरी दुनिया को सस्टेनेबल डेवलपमेंट सिद्धांत के तहत विकास के कार्यों की जरूरत है और बीमारियों के लिए ऐसे उपचार पद्धति को ढूंढना एक बड़ी बात है। दरअसल डेंगू और जीका वायरस जैसे मच्छर जनित बीमारियों के रोकथाम में बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक बैक्टीरिया स्ट्रेन का इस्तेमाल किया जाएगा। आइए हम आलेख में आपको विस्तार से बताते हैं इसके बारे में।

क्या है बैक्टीरिया वल्बाचिया?

बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक ये बैक्टीरिया स्ट्रेन मच्छरों को मनुष्यों में अपने वायरस को स्थानांतरित करने से रोक सकता है। मेलबोर्न और ग्लासगो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और मलेशिया में इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल रिसर्च ने कुआलालंपुर में साइटों पर डेंगू के मामलों को इस तरीके का इस्तेमाल करके कम करने में सफलता प्राप्त की है। उनके द्वारा प्रकाशित तथ्यों की मानें, तो करंट बायोलॉजी दिखाता है कि वल्बाचिया के डब्लूए1बीबी स्ट्रेन को ले जाने वाले मच्छरों पर जब इसका इस्तेमाल किया गया, तो डेंगू के मामलों में 40 फीसदी तक की कमी आई। इससे पहले मेलबर्न विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर्य हॉफमैन सहित वैज्ञानिकों ने इस बैक्टीरिया के एक अलग स्ट्रेन का उपयोग करके मच्छर पर सफल प्रयोग किया है, लेकिन कुछ स्थितियों में ये असफल भी रहा। वहीं मलेशिया जैसे भूमध्यरेखीय देशों में मच्छरों की जंगली आबादी पर ये बैक्टीरिया इन्हें रोकने में सक्षम नहीं दिखे।

फॉगिंग भी हुआ कम

शोधकर्ताओं ने डेंगू वाले कुआलालंपुर में छह अलग-अलग साइटों में वल्बाचिया के डब्ल्यूएएलबीबी स्ट्रेन को एडीज एजिप्टी मच्छरों पर इस्तेमाल किया। वोल्बाचिया नर और मादा दोनों जंगली मच्छरों की आबादी में संभोग करते वक्त अंदर चली गई, जिसके परिणामस्वरूप वायरस-फैलाने वाले बैक्टीरिया का प्रसार हुआ और इसने अपना काम करना शुरू कर दिया। इन साइटों पर डेंगू के मामलों को कम करने की सफलता ने इन क्षेत्रों में कीटनाशक फॉगिंग को समाप्त कर दिया है, जिससे इस पद्धति के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ दोनों उजागर होते हैं। मआरसी-यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो सेंटर फॉर वायरस रिसर्च के प्रोफेसर स्टीवन सिकिन्स ने कहा कि यह सफलता उन देशों के लिए खुशखबरी है, जो मच्छर जनित बीमारियों को सहन कर रहे हैं।

36 डिग्री सेल्सियस तापमान वाली जगहों पर सफल

अब, मेलबोर्न, ग्लासगो और मलेशिया के शोधकर्ताओं की इस अंतरराष्ट्रीय टीम ने दिखाया है कि वल्बाचिया का डब्ल्यूएएलबी स्ट्रेन 36 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक के दैनिक चरम तापमान में भी स्थिर और प्रभावी है, जैसा मलेशिया के डेंगू क्षेत्रों में। मेलबर्न यूनिवर्सिटी के बायो 21 इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर हॉफमैन ने कहा कि निष्कर्ष उन कई देशों में फर्ककर सकते हैं, जहां डेंगू बड़ी मात्रा में लोगों को बीमार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन हमें क्षेत्र में सफल शुरुआत के लिए के लिए सही है पर एक घनी शहरी आबादी पर इसके इस्तेमाल को लेकर हम अभी कुछ भी कह पाने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हस्तक्षेप कीटनाशक अनुप्रयोगों और अन्य चुनौतियों के बावजूद सफल हुआ, जो कि वल्बाचिया के प्रयोग के लिए अच्छा है।

सेहत

कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से हो सकता है ब्रेन डैमेज

नहाने के बाद कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से ब्रेन डैमेज हो सकता है। जानें कान से पानी निकालने का सुरक्षित और आसान तरीका क्या है?

नहाने या स्विमिंग करने के बाद कान में भरे पानी को निकालने के लिए अक्सर लोग सिर को तेजी से झटका देते हैं। मगर हाल में हुई एक रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने लोगों को आगाह किया है कि ऐसा करना उनके लिए खतरनाक हो सकता है। दरअसल नया शोध बताता है कि कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है। ये रिसर्च वर्जीनिया की Cornell University द्वारा की गई है। शोधकर्ताओं के अनुसार सिर को झटका देने से ब्रेन के डैमेज होने का खतरा बच्चों में ज्यादा होता है।

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने किया है शोध

भारतीय मूल के शोधकर्ता और इस रिसर्च पेपर के प्रमुख लेखक अनुज बस्कोटा कहते हैं कि हमारी रिसर्च मुख्य रूप से इस बात पर आधारित थी कि कान से पानी निकालने के लिए कितना झटका देना सही है। उन्होंने ये रिसर्च पेपर सीएटल शहर में पिछले सप्ताह अमेरिकन फिजिकल सोसायटी की Division of Fluid Dynamics की सालाना मीटिंग के दौरान प्रस्तुत किए थे। अनुज ने आगे बताया कि शोध में हमने ग्लास ट्यूब और थ्री-डी प्रिंटेड ईयर कैनाल का इस्तेमाल कर पता लगाया कि छोटे बच्चों के कान के लिए ग्रैविटी (गुरुत्वाकर्षण) के बल से 10 गुना तेज बल खतरनाक हो सकता है। इससे उनके मस्तिष्क को नुकसान भी पहुंच सकता है।

क्यों जाकर रुक जाता है कान में पानी?

जब आप नहाते हैं या स्विमिंग करते हैं, तो आपके कान में पानी का जाना स्वाभाविक है। मगर कान का आकार पाइप जैसा होता है और इसकी बनावट भी ऐसी होती है कि पानी बहुत अंदर तक नहीं जाता है। जो थोड़ी बहुत मात्रा में पानी जाता भी है, तो वो अपने आप बाहर आ जाता है। मगर कई बार कान में पानी जाने के बाद अपने आप न निकलने के कारण ऐसा महसूस होता है कि पानी की एक पर्त कान में जमा हो गई है। शोधकर्ताओं ने शोध के दौरान पाया कि पानी का पृष्ठ तनाव ज्यादा होता है, इसलिए ये कान में जाकर फंस जाता है।

बच्चों को होता है ज्यादा खतरा

मस्तिष्क के डैमेज होने का खतरा आमतौर पर छोटे बच्चों में ज्यादा होता है, क्योंकि उनके कान का ट्यूब काफी छोटा होता है, जिसके कारण पानी को बाहर निकालने के लिए ज्यादा तेज झटके की जरूरत होती है। शोधकर्ताओं ने कान में फंसे हुए पानी को निकालने के कुछ आसान तरीके भी बताए हैं।

पानी निकालने का सुरक्षित तरीका

शोधकर्ताओं ने बताया कि सिर को तेजी से झटका देने से बेहतर है कि आप कान में भरे पानी को निकालने के लिए कुछ अन्य उपाय अपनाएं। पानी से कम पृष्ठ तनाव वाले अन्य लिक्विड जैसे- एल्कोहल या सिरका डालने से कान में भरा पानी अपने आप बाहर आ जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो मा मी मू धा फा ढा मे

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर — मे जा जी खी खू खे खो गा गी

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 3954

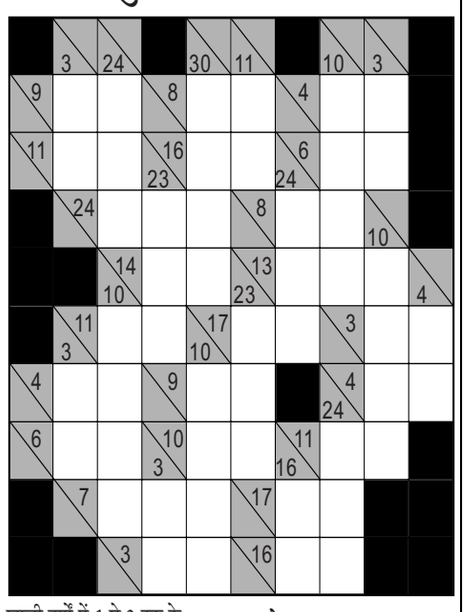

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

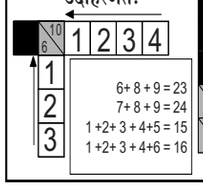

काकुरो - 3953 का हल

■	■	■	4 6	■	■	30 7	■	
■	■	3 10	1	2	■	8	7	1
■	8 17	1	3	4	■	15 17	9	6
11	9	2	■	■	17	9	8	24
12	8	4	30 3	■	23	8	6	9
■	13	3	8	2	5	■	15 10	7
■	■	12 6	9	1	2	20 3	3	8
■	8 3	2	6	■	8	3	1	4
10	2	1	7	■	6	2	1	3
4	1	3	■	■	■	3	2	1

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

□ □ □

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

□ □ □

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3954

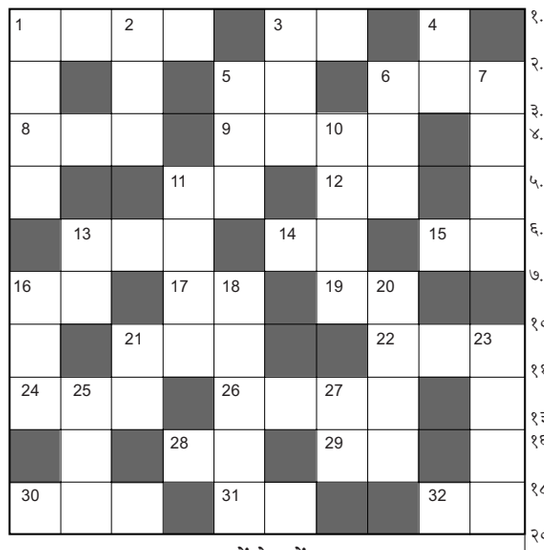

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3953

मु	सा	फि	र	■	ड	कै	त	■	गा
क्ति	■	दा	न	वी	र	■	क्ष	त्रि	य
■	री	■	■	र	श	क	■	ब	
गु	ना	ह	■	ता	ल	■	■	क	■
म	■	वा	दा	■	ग	र्व	■	सू	र्या
ना	ना	■	मि	ल	न	■	सु	र	■
म	■	सु	नी	ल	■	रा	जा	■	ए
■	ने	ह्म	■	का	श	■	ता	क	त
क्रो	■	ग	द	र	■	दे	■	■	रा
ध	र्मा	■	म	■	रा	व	ण	रा	ज

सूडोकु -3954

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3953 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 3954

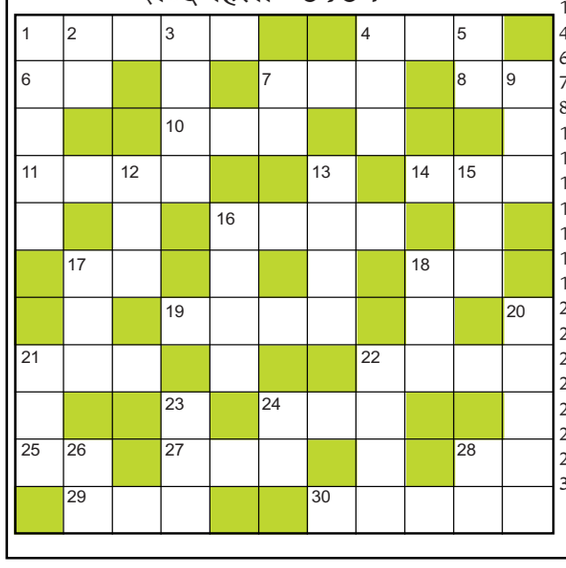

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -3953 का हल

■	म	हा	भा	र	त	■	प	र	वा	ना
त	न	■	रक	■	मा	हि	र	■	र	ग
न	■	त	र	क	श	■	ख	र	■	वा
ब	न्ध	क	■	■	बी	वी	■	न	ज	र
द	■	दी	■	दा	न	■	फों	■	ल	■
न	ज	र	बं	द	■	न	सी	ब	वा	ला
■	रु	■	दी	■	म	न	■	च	■	प
श	री	र	■	जं	हा	■	■	प	गा	र
रा	■	न	म	■	सा	ग	वा	न	■	वा
फ	ल	■	स	ज	ग	■	च	■	आ	ह
त	क्ष	शि	ला	■	र	ह	क	र	ना	■

कपिल शर्मा शो में स्क्रिप्टिंग को लेकर कीकू शारदा का बड़ा खुलासा

कॉमेडियन कीकू शारदा पिछले 10 साल से कपिल शर्मा के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शो के क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने खुलासा किया कि शो में कितना हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है और कितना हिस्सा मौके पर बनाया जाता है। हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं बातचीत में कीकू ने कहा कि वे जानबूझकर गेस्ट्स से जोक्स और पंचलाइन छुपाते हैं, ताकि उनका रिएक्शन नैचुरल रहे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं। हम नहीं चाहते कि गेस्ट्स को पहले से जोक्स, पंचलाइन या कैरेक्टर्स के बारे में पता हो। हम चाहते हैं कि वे पहली बार स्टेज पर इन्हें देखें, क्योंकि तभी सबसे असली रिएक्शन मिलता है। इसलिए अब सब लोग बस फ्लो के साथ चलते हैं।' कीकू ने बताया कि शो में स्क्रिप्ट तो होती है, लेकिन उसे कितना फॉलो करना है और कितना इम्प्रोवाइज करना है, ये शूटिंग के दौरान तय होता है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर स्क्रिप्ट होती है और हम उसे एक लिमिट तक फॉलो भी करते हैं। कई बार इसे पूरी तरह फॉलो करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि कभी-कभी कोई सेलिब्रिटी बातचीत को एकदम अलग दिशा में ले जाता है। कभी-कभी उसी वक्त नया आइडिया आ जाता है और हम इम्प्रोवाइज कर लेते हैं। सच कहूं तो करीब 70% स्क्रिप्ट होती है और 30% पूरी तरह मौके पर होता है।' बता दें कि हाल ही में कीकू शारदा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचे थे, जहां उनके साथ चंदन प्रभाकर भी मौजूद रहे। इस एपिसोड को फैंस ने काफी पसंद किया।

कुब्रा सैत ने अपने करियर में जोड़ा एक रोमांचक अध्याय, स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में रखा कदम

अभिनेत्री, लेखिका और परफॉर्मर कुब्रा सैत ने स्टैंड-अप कॉमेडी के साथ अपने करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ लिया है। जी हाँ, लाइव कॉमेडी के साथ उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में न सिर्फ कदम रखा है, बल्कि अपनी पहली परफॉर्मेंस भी दी है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि सेक्रेड गेम्स, जवानी जानेमन, फाउंडेशन और कई अन्य फिल्मों व सीरीज में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत हमेशा से ही कहानी कहने के नए और अलग तरीकों को अपनाती रही हैं। अपनी बेस्टसेलिंग किताब ओपन बुक: नॉट क्वाइट अ मेमोयर की सफलता के बाद अब उन्होंने लाइव स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा है, जिसने उनकी क्रिएटिव जर्नी को एक नया आयाम दिया है।

कुब्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस की कुछ झलकियां साझा करते हुए कॉमेडी स्टेज पर उतरने की खुशी जाहिर करते हुए इस नई कोशिश के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जो नए प्रयोग करने वाले कलाकारों को अपना समर्थन देने वहां पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, को लेकर कुब्रा ने आगे लिखा है, धन्यवाद बैकस्पेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उड़ने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एक्टिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहां कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है।

कुब्रा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है। फिलहाल अपनी पहली परफॉर्मेंस को मिले प्यार और प्रोत्साहन के बाद कुब्रा ने अपनी अगली स्टैंड-अप परफॉर्मेंस का ऐलान भी कर दिया है, जिससे साफ है कि यह उनके नए सफर की सिर्फ शुरुआत है। एक अभिनेत्री, लेखिका और वक्ता के तौर पर अपनी पहचान बना चुकीं कुब्रा सैत एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनका सफर हमेशा जिज्ञासा, साहस और नई चुनौतियों को अपनाने की सोच से आगे बढ़ता रहा है।

प्रेग्नेंसी को लेकर सामंथा ने कही दिल की बात

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरु जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने दिसंबर 2025 में शादी की थी और जून में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। अब हाल ही में सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर दिल की बात कही है।

मां बनने को लेकर बोलीं सामंथा?

इंटरव्यू में सामंथा ने कहा कि उनके लिए ये समय बिल्कुल नया और बहुत खास है। उन्होंने कहा, 'ये सब मेरे लिए नया और एक्साइटिंग है। लेकिन मैं इस पल का काफी समय से इंतजार कर रही थी। मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी, और अब मैं इसमें अपना पूरा दिल लगा दूंगी।' सामंथा ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें अपने अंदर एक अलग तरह की ताकत और उद्देश्य महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से अपनी जिंदगी को लेकर पैशनेट रही हूं, लेकिन अब मुझे एक नई ताकत और मकसद महसूस होता है। मैं इस सफर को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं और हर दिन कुछ नया सीख रही हूं।'

अक्षय की फिल्म में मोटी होने के कारण मिला रोल

अभिनेत्री अंजलि आनंद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धमाल 4' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फिल्मों में प्लस-साइज एक्टर्स को अक्सर सिर्फ कॉमेडी करने या स्टीरियोटाइप को दिखाने के लिए कास्ट किया जाता है। बातचीत में अंजलि आनंद ने अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर कहा कि मैं 'बेल बॉटम' में सिर्फ इसलिए थी ताकि एक टेररिस्ट मुझ पर गिर सके और फिल्म में पकड़ा जा सके। मुझे ऐसे रोल इसलिए मिलते हैं क्योंकि मैं मोटी हूं। जब लोग सिर्फ इसका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं तो बुरा लगता है। वे यह भी नहीं देखते कि मैं अच्छी एक्टर हूं या नहीं। वे बस मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। उनके हिसाब से मैं तय मानकों पर खरी नहीं उतरती, लेकिन उनके लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय भी काफी नहीं हैं। शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

23 जुलाई को रिलीज होगी 'जन नायकन' थलापति विजय ने शेयर किया पोस्टर

साउथ अभिनेता थलापति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का एक खास पोस्टर साझा किया और साथ ही रिलीज डेट से पर्दा भी उठाया।

आज 'जन नायकन' के निर्माताओं ने विजय की फिल्म की रिलीज की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खुशखबरी से विजय के फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। पहले यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होनी थी, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनावों और सीबीएफसी से सर्टिफिकेट ना मिलने के चलते इसकी रिलीज डेट टलती गई। बहरहाल, अब विजय तमिलनाडू के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। अब उनकी यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।फिल्म 'जन नायकन' के निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक खास पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में विजय पुलिस वर्दी में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में विजय के हाथ में एक पुलिसकर्मी की तरह बंदूक नहीं बल्कि तलवार नजर आ रही है, जो हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। 'जन नायकन' में थलापति विजय, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल और ममिता बैजू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। यह अभिनेता के रूप में थलपाति विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है।

हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर बोली अंजना सुखानी

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, ' 'मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। ' फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, ' 'मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं। मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, ' 'सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।

वीर को एक्टर बनने से मना किया था

राजकुमार हिरानी हिंदी सिनेमा जगत में सबसे मंझे हुए, सबसे दिलचस्प और दमदार फिल्ममेकर्स में से हैं। बॉलीवुड को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुन्ना भाई', '3 इडियट्स' और 'संजू' जैसी यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले राजू हिरानी भी अब वक्त के साथ कदमताल कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी का रुख किया है और वेब सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' लेकर आए हैं। अरशद वारसी के साथ इस सीरीज में राजू के उनके बेटे वीर हिरानी ने भी एक्टिंग में कदम रखा है। हालांकि, राजू हिरानी दो टूक शब्दों में कहते हैं कि उन्होंने बेटे वीर को एक्टर बनने से मना किया था।

वीर के एक्टिंग की ओर रुझान का वाकया याद करते हुए राजू हिरानी बताते हैं, 'मुझे जब पता चला कि वीर एक्टिंग करना चाहते हैं तो मैंने कहा कि मत करो। मुझे लगता था कि उसे फिल्म बनाना अच्छे से आता है। वो बचपन से शॉर्ट फिल्म बनाता था, तो मैंने कहा कि तुम अच्छी फिल्म बनाते हो, ये क्यों करना चाहते हो? इस पर उसने कहा कि आपने '3 इडियट्स' बनाई थी। उसमें कहा था कि 'जो दिल को अच्छा लगे वो करो', तब मैं फंस गया और मैंने कहा कि ठीक है तुम्हें करना है तो पहले एक्टिंग सीखो।'

हिरानी आगे बताते हैं कि बेटे वीर हिरानी ने उनकी बात पर अमल किया। तीन साल ड्रामा स्कूल में पढ़ाई की। फिर फिरोज खान के साथ नाटक किया, उसके बाद ही यह सीरीज की। अपने शो का 'प्रीतम' घर में ही मिलने की बात पर डायरेक्टर ने कहा, 'प्रीतम घर में ही थे, मगर हमें नजर नहीं आ रहे थे। हम ये सीरीज बना रहे थे, मगर वीर दिमाग में नहीं थे। कास्टिंग चल रही थी तो वीर ने मेरे ऑफिस में जो साहिल हैं, उनको बोला कि मैं यहां बैठा हूं, मेरी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। मेरे दिमाग में था कि वो फिल्म करना चाहता है। फिल्मों के लिए उसकी बातचीत भी चल रही थी। मैं भी कोई स्क्रिप्ट ढूंढ़ रहा था। मुझे नहीं लगा था कि वो वेब सीरीज करेगा पर उसने कहा कि मुझे कोई हिचक नहीं है।

कॉमेडी में हद पता होनी चाहिए

राजू हिरानी की फिल्मों में ह्यूमर की एक खास जगह रही है। साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करती 'प्रीतम एंड पेड्रो' भी इसी कड़ी में शामिल है। लेकिन आज कॉमेडी को लेकर काफी आपत्तियां सामने आ रही हैं। बकौल राजू हिरानी, 'कॉमेडी कई तरह की होती है। दूसरे के दुर्भाग्य पर हंसना भी एक तरह की कॉमेडी है, लेकिन आपको एक हद पता होनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि ऐसा करके आप किसी को बहुत ज्यादा ठेस पहुंचा रहे हैं तो आप क्यों कर रहे हैं? मत करो न, क्योंकि आप स्वार्थी होकर किसी का फायदा उठा रहे हैं। अगर आप अपने फायदे के लिए किसी का बहुत ज्यादा मजाक उड़ाओगे तो उसे ठेस पहुंचेगी ही। मेरा मानना है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए भी कॉमेडी कर सकते हैं।'

बच्चे को एक्टिंग का जुनून है तो उसे क्यों रोकें?

बीते कुछ साल में इंडस्ट्री के बच्चों को उनके घर से ही लॉन्च किए जाने पर काफी सवाल खड़े हुए हैं। क्या वीर को लॉन्च करते वक्त राजू हिरानी के दिमाग में यह ख्याल आया था? वह जवाब देते हैं, 'ख्याल तो आता है, लेकिन अगर बच्चा एक्टिंग करना चाहे, वह उसका जुनून है तो उसको क्यों रोके? इसलिए, मैंने इसे ज्यादा अहमियत नहीं दी। अब जैसे मैं था। मेरे पिता जी कुछ और करते थे। मैं नागपुर में एक सामान्य मिडिल क्लास परिवार में जन्मा। मेरे पिता जी ऑफिस इक्विपमेंट बेचते थे, पर मेरा फिल्मों में आने का मन था तो मैंने यह किया। जैसे, मेरे फादर ने मुझे कहा कि तुम्हारा यह करने का मन है तो जाओ भाई करो। वैसे ही मैंने भी वीर को कहा।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।